News सिटी चीफ

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

वर्ष-14, अंक-317

पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, सोमवार 19 फरवरी 2024

आज का विचार

स्त्री के सभी अधिकारों में सबसे महान अधिकार मां बनने का है।

- शिवाजी महाराज

शिवाजी महाराज जयंती की शुभकामनाएं

कल्कि धाम में पीएम मोदी ने किया कृष्ण सुदामा और चावल की पोटली का उल्लेख

पीएम मोदी ने कल्कि धाम में रखी ऐतिहासिक मंदिर की आधारशिला

'जो भी अच्छे काम लोग मेरे लिए छोड़ गए':पीएम मोदी

संभल। आज कल्कि धाम नया इतिहास रच दिया। प्रधानमंत्री के हाथों भगवान श्री विष्णु के दसवें अवतार श्री कल्कि भगवान के भव्य धाम की आधारशिला रखी गयी। महाकाल उज्जैन से आए पंडितों की ओर से स्वस्ति वाचन, मंत्रोच्चार किया गया। प्रधानमंत्री गर्भ गृह में प्रवेश कर अनुष्ठान को छह मिनट में पूर्ण हुआ। प्रधानमंत्री के शिलान्यास स्थल पर पूजा के दौरान आचार्य प्रमोद कृष्णम मौजूद रहे। मंच से आचार्य ने कहा कि जिंदगी में कभी ऐसे पल आते हैं। जब शब्द खो जाते हैं। वाणी थम जाते हैं। शबरी के पास बेर थे। हमारे पास आपके स्वागत को कुछ नहीं है। पीएम ने मंच पर पहुंचकर हास्य भाव में आचार्य प्रमोद कृष्णम से कहा कि अच्छा हुआ आपने कुछ दिया नहीं। वरना आज वीडियो बन जाते, सुदामा को कृष्ण ने जो दिया वो सुप्रीम कोर्ट चला जाता।

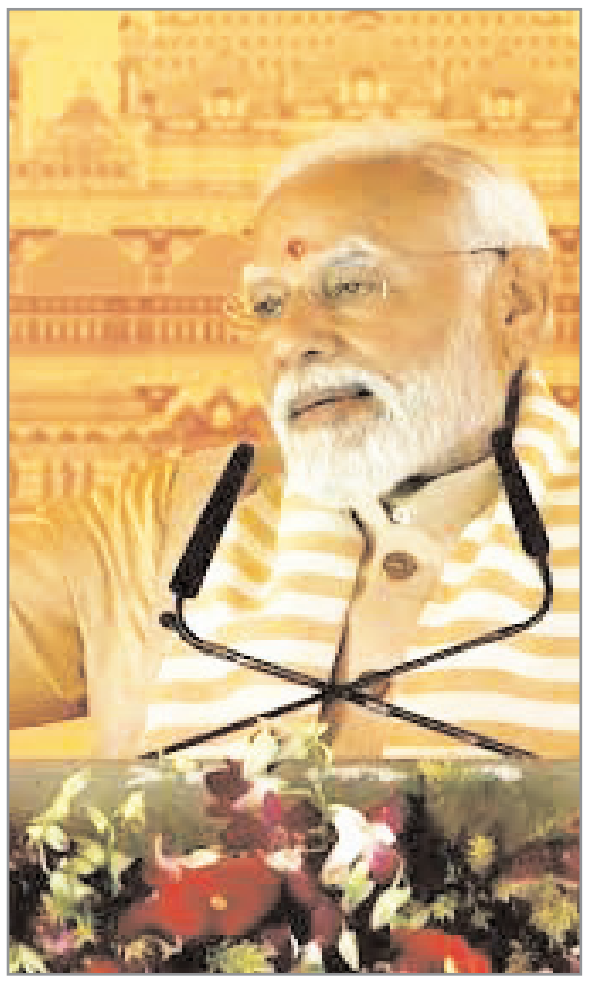

पीएम मोदी ने कहा कि भगवान कल्कि के विषय में आचार्य प्रमोद कृष्णम ने गहरा अध्ययन किया। भगवार राम की तरह ही कल्कि का अवतार हजारों वर्षों की रूपरेखा तय करेगा। आचार्य प्रमोद कृष्णम जैसे लोग अपना जीवन लगा रहे हैं। पिछली सरकार पर हमलावर होते हुए कहा कि ये कहा गया था कि मंदिर बनने पर शांति व्यवस्था बिगड़ जाएगी। लेकिन आचार्य प्रमोद कृष्णम इस सरकार में मंदिर बनाइये। पीएम मोदी ने कहा कि सदियों के बलिदान फलीभूत हो रहे हैं। आज भारत के अमृतकाल में भारत के गौरव और सामर्थय का बीज अंकुरित हो रहा है। चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव तक पहुंचने वाले देश बने हैं। आज वंदेभारत, नमो भारत ट्रेन चल रही हैं। बुलेट ट्रेन चलाने की व्यवस्था हो रही है। देश में सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास का ज्वार अद्भुत अनुभूति है।

पीएम ने कहा कि राष्ट्र को सफल होने के लिए सामूहिकता से ताकत मिलती है। सबका साथ सबका विकास, सबका विश्वास और सबका कार्य, राष्ट्र के लिए काम कर रहा है। पिछले दस वर्षों में पक्के घर, शौचालय, घर में बिजली, पानी के लिए कनेक्शन, 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन, कम कीमत पर गैस, आयुष्मान कार्ड, दस करोड़ किसानों को किसान सम्मान निधि, कोरोनाकाल में हर देशवासी को मुफ्त वैक्सीन, आज दुनिया में भारत के काम की चर्चा हो रही है। पीएम मोदी ने कहा कि भगवान कल्कि के आशीर्वाद से संकल्पों की यात्रा समय से पहले सिद्धि तक पहुंचेगी। सशक्त और समर्थ भारत के सपने को पूरा होता देखेंगे ।संभल। आज शिवाजी महाराज को नमन और श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि यहां भगवान के सभी दस अवतार विराजमान होंगे। दस गर्भगृह होंगे। पीएम ने भगवान के स्वरूपों का जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि इसी काल में विश्वनाथ के वैभव को काशी की धरती पर निखरता हुआ देखा है। काशी का कायाकल्य होते देख रहे हैं। महाकाल के महालोक की महिमा देखी है। सोमनाथ का विकास देखा है। केदार घाटी का पुर्न निर्माण देखा है। विकास भी विरासत भी इस मंत्र को लेकर चल रहे हैं। आज मंदिर बन रहे हैं तो देश में नए मेडिकल कॉलेज भी बन रहे हैं। विदेशों से प्राचीन मूर्तियां भी वापस आ रही हैं। रिकार्ड संख्या में विदेशी निवेश भी आ रहा है। ये परिवर्तन प्रमाण है। समय का चक्र घूम चुका है। एक नया दौर आज हमारे दरवाजे पर दस्तक दे रहा है। ये समय है हम उस आगमन का दिल खोलकर स्वागत करें। इसलिए लालकिले से देश को विश्वास दिलाया था, यही समय है सही समय है। जिस दिन अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हुयी थी, तब कहा था 22 जनवरी से अब नए कालचक्र की शुरुआत हो चुकी है। आज शिवाजी महाराज को नमन और श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि यहां भगवान के सभी दस अवतार विराजमान होंगे। दस गर्भगृह होंगे। पीएम ने भगवान के स्वरूपों का जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि इसी काल में विश्वनाथ के वैभव को काशी की धरती पर निखरता हुआ देखा है। काशी का कायाकल्य होते देख रहे हैं। महाकाल के महालोक की महिमा देखी है। सोमनाथ का विकास देखा है। केदार घाटी का पुर्न निर्माण देखा है। विकास भी विरासत भी इस मंत्र को लेकर चल रहे हैं। आज मंदिर बन रहे हैं तो देश में नए मेडिकल कॉलेज भी बन रहे हैं। विदेशों से प्राचीन मूर्तियां भी वापस आ रही हैं। रिकार्ड संख्या में विदेशी निवेश भी आ रहा है। ये परिवर्तन प्रमाण है। समय का चक्र घूम चुका है। एक नया दौर आज हमारे दरवाजे पर दस्तक दे रहा है। ये समय है हम उस आगमन का दिल खोलकर स्वागत करें। इसलिए लालकिले से देश को विश्वास दिलाया था, यही समय है सही समय है। जिस दिन अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हुयी थी, तब कहा था 22 जनवरी से अब नए कालचक्र की शुरुआत हो चुकी है।

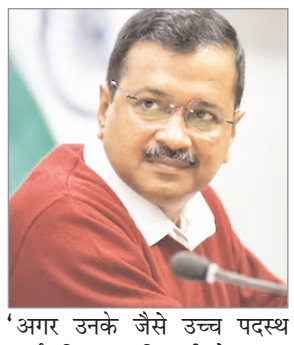

आज शिवाजी महाराज को नमन और श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि यहां भगवान के सभी दस अवतार विराजमान होंगे। दस गर्भगृह होंगे। पीएम ने भगवान के स्वरूपों का जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि इसी काल में विश्वनाथ के वैभव को काशी की धरती पर निखरता हुआ देखा है। काशी का कायाकल्य होते देख रहे हैं। महाकाल के महालोक की महिमा देखी है। सोमनाथ का विकास देखा है। केदार घाटी का पुर्न निर्माण देखा है। विकास भी विरासत भी इस मंत्र को लेकर चल रहे हैं। आज मंदिर बन रहे हैं तो देश में नए मेडिकल कॉलेज भी बन रहे हैं। विदेशों से प्राचीन मूर्तियां भी वापस आ रही हैं। रिकार्ड संख्या में विदेशी निवेश भी आ रहा है। ये परिवर्तन प्रमाण है। समय का चक्र घूम चुका है। एक नया दौर आज हमारे दरवाजे पर दस्तक दे रहा है। ये समय है हम उस आगमन का दिल खोलकर स्वागत करें। इसलिए लालकिले से देश को विश्वास दिलाया था, यही समय है सही समय है। जिस दिन अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हुयी थी, तब कहा था 22 जनवरी से अब नए कालचक्र की शुरुआत हो चुकी है।

'कोर्ट के फैसले का' ईडी के छठे समन पर भी पेश नहीं होंगे केजरीवाल

आप ने बताई वजह

नई दिल्ली- दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल आज भी आज भी ईडी के सामने पेश नहीं होंगे. AAP प्रमुख को ईडी ने छठा समन भेजते हुए 19 फरवरी को पेशी के लिए बुलाया था. हालांकि आप का कहना है कि ईडी के ये समन गैरकानूनी हैं. आप ने बयान जारी कर कहा, 'ईडी के समन की वैधता का मामला अब कोर्ट में लंबित है. इस मामले में ईडी खुद कोर्ट गई है. ऐसे में बार-बार समन भेजने की बजाय ईडी कोर्ट के फ़ैसले का इंतज़ार करे.' बता दें कि प्रवर्तन निदेशालय ने आबकारी नीति से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के सिलसिले में समन का पालन नहीं किए जाने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ दिल्ली में अदालत का दरवाजा खटखटाया है. जांच एजेंसी की शिकायत में आरोप लगाया गया कि सीएम केजरीवाल जानबूझकर समन का पालन नहीं करना चाहते थे और बहाने बनाते रहे. एजेंसी ने कहा, 'अगर उनके जैसे उच्च पदस्थ सार्वजनिक पदाधिकारी ने कानून की अवज्ञा की, तो यह आम आदमी के लिए एक गलत उदाहरण स्थापित होगा.' ईडी की याचिका पर राउज एवेन्यू कोर्ट में आज सुनवाई होनी है, जिसमें सीएम केजरीवाल पेश हो सकते हैं. इससे पहले इस मामले में 17 जनवरी को सुनवाई हुई थी, जिसमें अरविंद केजरीवाल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये पेश हुए थे और कोर्ट की अगली तारीख पर निजी रूप से पेश होने का वादा किया था. इसके बाद कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई 19 जनवरी को मुकर्रर की थी.

महाराष्ट्र से सीरिया में ISIS के अकाउंट में भेजी गई रकम! अफगानिस्तान जाना चाहता है संगठन का संदिग्ध

मुंबई। बीते कुछ महीनो में महाराष्ट्र के अलग-अलग इलाकों में आईएसआईएस के लिए काम करने वाले कई आरोपियों को एनआईए ने अपनी गिरफ्त में लिया है। पकड़े गए आरोपियों के दस्तावेजों और पूछताछ की कड़ी में जांच एजेंसियों को कई महत्वपूर्ण और अहम सुराग हाथ लगे हैं। सूत्रों के मुताबिक जांच एजेंसी को गुरुवार को महाराष्ट्र के संभाजी नगर में पकड़े गए आरोपी से पता चला है कि उसने अफ़गानिस्तान दूतावास से भी संपर्क किया था। यही नहीं इससे पहले पकड़े गए कंप्यूटर इंजीनियर ने तो सीरिया में आईएसआईएस के खाते में पैसे भी ट्रांसफर किए थे। इन सनसनीखेज खुलासे के बाद न सिर्फ जांच एजेंसियां बल्कि देश की प्रमुख खुफिया एजेंसियां भी अलर्ट हो गई हैं। दरअसल महाराष्ट्र के अलग-अलग हिस्सों में जिस तरीके से संदिग्धों की धर पकड़ हो रही है उससे आईएसआईएस के महाराष्ट्र में बड़े स्लीपर सेल के सक्रिय होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

संदेशखाली को लेकर गरमाया माहौल, सत्तापक्ष-विपक्ष की नोकझोंक के बीच महिला आयोग ने दी प्रतिक्रिया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली हिंसा को लेकर राज्य सरकार और विपक्ष दल आमने-सामने हैं। विपक्षी पार्टियों ने तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला करते हुए राज्य में कानून व्यवस्था ध्वस्त होने का आरोप लगाया है। वहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी भाजपा पर पलटवार करते हुए इलाके में अशांति फैलाने का आरोप लगाया है। सत्ता दल और विपक्ष के इस नोक-झोंक के बीच राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी संदेशखाली हिंसा को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने बताया कि इलाके से तनावपूर्ण खबरें सामने आ रही है। महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने कोलकाता एयरपोर्ट पर मीडिया से इस मुद्दे पर बात की। उन्होंने कहा, 'जैसा कि आप सब जानते हैं, संदेशखाली से बहुत तनावपूर्ण खबरें आई है। मैं वहां जा रही हूं और मैं चाहती हूं कि उन्हें (महिलाओं) न्याय मिले। मैं डीजी और स्थानीय पुलिस से भी मुलाकात करूंगी। मैं महिलाओं से मिलना चाहती हूं। उन्हें अपने समर्थन का आश्वासन देना चाहती हूं।' उन्होंने आगे कहा, मैं राज्यपाल से मिलूंगी और उसके बाद कल राष्ट्रपति से मुलाकात करूंगी। बहुत सी बातें सामने आ रही हैं, लेकिन पुलिस उन्हें दबा देती है। मैं जिला अधिकारी और पुलिस अधीक्षक से मुलाकात नहीं कर पाई हूं। ममता बनर्जी अपने अधिकारियों को केंद्रीय एजेंसियों से मिलने नहीं दे रहीं है।

कोटा के 1 कोचिंग स्टूडेंट की तलाश में जुटे हैं 100 पुलिसकर्मी, ड्रोन से चल रहा सर्च ऑपरेशन

कोटा- कोचिंग सिटी कोटा से लापता हुए कोचिंग छात्र का आठ दिन बाद भी अभी तक कोई सुराग नहीं लग पाया है. लापता हुआ छात्र रचित मध्य प्रदेश के राजगढ़ का रहने वाला है. वह कोटा में रहकर जेईई की तैयारी कर रहा था. इस लापता छात्र की तलाश में बीते आठ दिनों से पुलिस, आरएसी, होमगार्ड, एसडीआरएफ और निगम के गोताखोरों सहित 100 अधिकारियों, कर्मचारियों व पुलिसकर्मियों की टीम जुटी है. इसके लिए कोटा के घने जंगलों और चंबल नदी में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है. डॉग स्क्वायड की टीमें भी चंबल नदी के किनारे और जंगल में छोड़ी गई थी पर रचित को कोई पता नहीं चल पाया है. लापता बेटे की तलाश में हताश पिता ने उसके पोस्टर छपवाकर कोटा के आसपास के हाईवे और ग्रामीण क्षेत्र में लगवाए हैं, पिता सहित अन्य परिजन बेटे की तलाश के लिए खुद भी जंगलों में भटक रहे हैं. उनकी आंखों से आंसू बह रहे हैं. बताया जा रहा है कि घर पर रचित मां ने कई दिनों से कुछ नहीं खाया है. वे बेसुध हो रखी हैं.

कोटा- कोचिंग सिटी कोटा से लापता हुए कोचिंग छात्र का आठ दिन बाद भी अभी तक कोई सुराग नहीं लग पाया है. लापता हुआ छात्र रचित मध्य प्रदेश के राजगढ़ का रहने वाला है. वह कोटा में रहकर जेईई की तैयारी कर रहा था. इस लापता छात्र की तलाश में बीते आठ दिनों से पुलिस, आरएसी, होमगार्ड, एसडीआरएफ और निगम के गोताखोरों सहित 100 अधिकारियों, कर्मचारियों व पुलिसकर्मियों की टीम जुटी है. इसके लिए कोटा के घने जंगलों और चंबल नदी में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है.

डॉग स्क्वायड की टीमें भी चंबल नदी के किनारे और जंगल में छोड़ी गई थी पर रचित को कोई पता नहीं चल पाया है. लापता बेटे की तलाश में हताश पिता ने उसके पोस्टर छपवाकर कोटा के आसपास के हाईवे और ग्रामीण क्षेत्र में लगवाए हैं, पिता सहित अन्य परिजन बेटे की तलाश के लिए खुद भी जंगलों में भटक रहे हैं. उनकी आंखों से आंसू बह रहे हैं. बताया जा रहा है कि घर पर रचित मां ने कई दिनों से कुछ नहीं खाया है. वे बेसुध हो रखी हैं.

भाजपा में नहीं जाएंगे कमलनाथ, राहुल गांधी से बात करने के बाद बदला फैसला

भोपाल- मध्य प्रदेश से इस वक्त बड़ी खबर आ रही है. सूत्र बताते हैं कि पूर्व सीएम कमलनाथ बीजेपी में नहीं जाएंगे. उनके सांसद बेटे नकुलनाथ और कुछ विधायक बीजेपी में शामिल हो सकते हैं. कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से बात करने के बाद कमलनाथ ने पार्टी में ही रहने का फैसला किया है. गौरतलब है कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा और पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह पहले ही उनके बीजेपी में जाने की अटकलों को खारिज कर चुके हैं. मध्य प्रदेश के पूर्व मंत्री सज्जन वर्मा ने रविवार यानी 18 फरवरी को नई दिल्ली में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ से मुलाकात की थी. यह मुलाकात कमलनाथ के आवास पर करीब तीस मिनट चली थी. मुलाकात के बाद सज्जन सिंह वर्मा ने मीडिया से चर्चा में कहा था कि कमलनाथ से कुछ बिंदुओं पर चर्चा हुई है. पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी की भी उनसे बात हुई है. मैं 40 साल से उनके साथ हूं. जहां कमलनाथ होंगे मैं वहीं रहूंगा. वर्मा ने कहा कि कमलनाथ आज भी कांग्रेस में हैं, कल भी कांग्रेस में हैं, लेकिन, परसों का पता नहीं. हमारी प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी से कोई नाराजगी नहीं है, वो अपना बच्चा है. कमलनाथ का ध्यान लोकसभा की 29 सीटों पर- वर्मा सज्जन सिंह वर्मा ने कहा था कि कमलनाथ का ध्यान 29 लोक सभा सीटों पर है. वे जातीय समीकरण बना रहे हैं. किन लोगों को टिकट देना इस पर ध्यान है. कमलनाथ ने बीजेपी में जाने की खबरों का स्पष्टतौर पर खंडन किया है. बकौल वर्मा, कमलनाथ ने सवाल किया है कि उन्होंने किससे बीजेपी में जाने की बात कही है. मीडिया ने मुद्दा उठाया और वही जवाब दे. ये अटकलें किसी साजिश का हिस्सा- पटवारी दूसरी ओर, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भी कमलनाथ को लेकर चल रही अटकलों को खारिज कर दिया था. उन्होंने भी 18 फरवरी को कहा कि कमलनाथ कहीं नहीं जा रहे. कुछ लोगों ने मीडिया का इस्तेमाल किया. मेरी कमलनाथ से बात हुई. उन्होंने कहा कि मीडिया में आ रही खबरें किसी साजिश का हिस्सा हैं. उसके बाद ये अटकलें तेज हो गईं. उससे एक दिन पहले जीतू पटवारी ने कहा था कि जिस शख्स ने पार्टी खड़ी करने में सहयोग किया हो, जो इंदिरा गांधी का तीसरा बेटा हो, वह कांग्रेस कैसे छोड़ सकता है.

सावधान जाहिर सूचना

ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र खसरा न. 72 वा अन्य खसरो कृषि भूमि के सम्बन्ध मे।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र मे स्थित कृषि भूमि विजय पिता राम भरोसे तिवारी से छल कर फरेब से सोची समझी चाल चल कर जिसका खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो को लिख कर 8 विक्रय पत्रो के लिए कूटरचित भाषा लिख कर दस्तावेज तयार कर वा फर्जी चेको को दे कर जालसाजी और 420 से विक्रय पत्रों का पंजीयन करवाया गया है इन सभी के नाम इस प्रकार है सुमित प्रकाश पाटनी पिता मणिक चन्द पाटनी, अरुणा पाटनी पति सुमित प्रकाश पाटनी,अनिल कुमार पंवार पिता मोहन सिंह पंवार, राहुल जैन पिता राकेश जैन, आनंद कसेरा पिता लक्ष्मणदास कसेरा राकेश जैन पिता स्व.नवीन चन्द जैन,पार्वती जैन पति बक्षीराम जैन, पवन जैन पिता बक्षीराम जैन इन सभी के खिलाफ पुलिस में जांच चल रही है कोर्ट में केस पेंडिंग है अत- कृषि भूमि खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो का सौदा किया गया था जिसका भुगतान राशि चेको के माध्यम से की गई थी पर चैक अनादरण होने से सौदा 2018 में निरस्त किया जा चुका है जिसकी सूचना पेपर विग्यप्ति के माध्यम से पहले ही सूचना दी जा चुकी है अत- इन सभी विक्रय पत्रो के संदर्भ मे किसी भी व्यक्ति, संस्था या बैंक आदि से कर्ज हेतू प्राप्त करता है या इन रजिस्ट्री के माध्यम से विक्रये करता है तो इस की जवाब देयी किसान भूमि मालिक की नही होगी

अत : होने पर पुलिस कार्रवाई की जाएगी।

सिंगल कॉलम

बाइक की टक्कर से टायर में फंसा पांच साल का बच्चा, अस्पताल में मौत

सनावदिया देवगुराड़िया निवासी बच्चा मांगलिया के ग्राम रामपिपल्या में परिवार के साथ शादी समारोह में गया था।

इंदौर। शादी समारोह में आया पांच साल का बच्चा हादसे का शिकार हो गया। तेज रफ्तार बाइक ने ऐसी टक्कर मारी की बच्चा टायर में ही उलझ गया। गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती करवाया लेकिन मौत हो गई। शनिवार को शव का एमवाय अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाया गया। घटना मांगलिया थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम रामपिपल्या की है। सनावदिया देवगुराड़िया (खुड़ैल) निवासी पांच वर्षीय पीयूष प्रजापत माता-पिता के साथ मामा के परिवार में शादी में आया था। शुक्रवार को बच्चा सड़क पर था तभी तेज रफ्तार से आई बाइक ने पीयूष को टक्कर मार दी। सिर में लगी थी गहरी चोट मामा देवकरण के मुताबिक, टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि बच्चा बाइक के टायर में उलझ गया। सिर में गहरी चोट लगने से पीयूष को गंभीर अवस्था में अस्पताल ले जाया गया लेकिन उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने केस दर्ज बाइक सवार की तलाश शुरू की है।

इंदौर में एक्स से मिलने पर भिड़े रईसजादे, बाउंसरों ने हाकी-बेसबाल बैट से पीटा

पब में बवाल, संचालक-बेटे और मसाला कारोबारी सहित सात पर केस दर्ज।

युवती से बात करने पर रईसजादों के दो गुट भिड़ गए। नशे में दोनों पक्षों में मारपीट हुई। बाउंसर हाकी और बेसबाल बैट लेकर टूट पड़े। युवकों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा गया। घटना उस समय हुई, जब पुलिसकर्मी कांबिंग गश्त कर रहे थे। लसूड़िया पुलिस ने दोनों पक्षों के सात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। घटना द बैरल एंड क्रो क्लब पब की है। पार्टी करने पहुंचा विनय पाहूजा एक युवती से बात करने की कोशिश कर रहा था। पब संचालक गुरप्रीत के बेटे मनीसिंह उर्फ जसप्रीत ने इस पर आपत्ति ली तो विवाद शुरू हो गया। पाहूजा ने कहा कि युवती मेरे साथ पढ़ती थी। उससे मेरी दोस्ती है। हाथापाई की नौबत आई तो विनय ने भाई नयन खत्री, सार्थक डागोर आदि को बुला लिया। साथियों के साथ पहुंचे युवकों ने पब में घुसने की कोशिश की, लेकिन गुरप्रीत और जसप्रीत ने रोक दिया। आरोप है कि बाउंसर विशाल व अन्य को बुलाया और हाकी-बेसबाल बैट से बुरी तरह पीटा। हमले में चारों युवक घायल हो गए। पुलिस ने सार्थक डागोर निवासी गौतमपुरा (पंढरीनाथ) की शिकायत पर केस दर्ज किया। पब संचालक गुरप्रीत के बेटे मनीसिंह उर्फ जसप्रीत ने भी आरोपित नयन, सार्थक, विनय व अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया है।

रिहेब सेंटर में फांसी लगाई

इंदौर। नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती एक युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने मर्ग कायम किया है। युवक अवसाद में था। भंवरकुआं थाना पुलिस के मुताबिक, घटना गणेशपुरा स्थित रिहेब सेंटर की है। महू निवासी संतोष शिवनारायण को नशे की लत के कारण रिहेब सेंटर में भर्ती करवाया था। शनिवार को उसने फांसी लगा ली।

साथी कोचिंग से रूम पर पहुंचा तो फंदे पर लटका मिला नर्सिंग का छात्र

इंदौर। निजी मेडिकल कालेज के छात्र ने फांसी लगाकर जान दे दी। आत्महत्या के कारणों की जांच चल रही है। छात्र का किसी से विवाद भी नहीं था। कमरे से सुसाइट नोट भी नहीं मिला है। घटना आजाद नगर थाना क्षेत्र की मूसाखेड़ी की है। मूलत: खेड़ावत शाजापुर निवासी प्रदीप श्यामलाल पटोदिया इंडेक्स मेडिकल कालेज में पढ़ रहा था। वह मूसाखेड़ी में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे संदीप के साथ रहता था। शनिवार को प्रदीप कालेज नहीं गया और कमरे पर ही रुका। संदीप भी सुबह कोचिंग चला गया। शाम को लौटा तो प्रदीप ने कमरे का दरवाजा नहीं खोला।

परिवार वालों को मंदिर भेज बैंक मैनेजर ने फांसी लगाकर दे दी जान

अस्पताल में चल रहा था उपचार, कुछ दिन पहले हुई थी सर्जरी, डाक्टर ने तीन दिन बाद चेकअप के लिए बुलाया था।

इंदौर। निजी बैंक के मैनेजर ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। उनका उपचार चल रहा था। सर्जरी भी हो चुकी थी। शनिवार को उन्होंने परिवार के लोगों को खजराना गणेश मंदिर भेजा और खुद ने फांसी लगा ली।हीरानगर थाना पुलिस के मुताबिक, मृतक का नाम अर्पित पुत्र श्रीपथ मिश्रा है। मूलत: सतना निवासी अर्पित फिलहाल हीरानगर क्षेत्र में रह रहे थे। स्वास्थ्य खराब होने पर एक सप्ताह पूर्व सोहागपुर (नर्मदापुरम) से इंदौर लेकर आए थे। वे सोहागपुर बैंक में मैनेजर थे। विजय नगर क्षेत्र के बड़े अस्पताल में उपचार चल रहा था। सर्जरी के बाद डाक्टर ने उन्हें डिस्चार्ज कर दिया और कहा कि तीन दिन बाद चेकअप के लिए आना है। शनिवार को अर्पित ने माता-पिता और पत्नी, सास को जिद कर खजराना गणेश मंदिर भेजा और फांसी लगा ली।

इन दिग्गजों ने कहा अलविदा, पढ़ें 2019 के बाद से कैसे दरक रहा कांग्रेस का किला

सिटी चीफ इंदौर।

2019 में हुए लोकसभा चुनाव के बाद से कांग्रेस की कांग्रेस के कई बड़े नेता पार्टी छोड़ रहे हैं। जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री तक शामिल है। इन नेताओं ने पार्टी द्वारा की जा रही अनदेखी सहित अन्य कारणों के चलते पार्टी छोड़ी है। वहीं इसी फेहरिस्त में मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ का नाम भी शामिल हो गया है, उन्होंने पार्टी द्वारा हाशिए पर धकेले जाने के कारण बेटे नकुल नाथ सहित कांग्रेस को अलविदा कहने का मन बनाया है, हालांकि स्थिति आज शाम तक ही स्पष्ट हो सकेगी। वहीं मध्य प्रदेश में इससे पहले कांग्रेस के कद्दावर नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया भी पार्टी छोड़ चुके हैं।

ज्योतिरादित्य सिंधिया

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मार्च 2020 में कांग्रेस ने इस्तीफा दे दिया था और करीब 22 समर्थक विधायकों के साथ भाजपा में शामिल हो गए थे। इसके साथ प्रदेश में कमल नाथ सरकार गिर गई थी और भाजपा दोबारा सत्ता में लौटी थी। 2018 में विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को मिली जीत के बाद से ही सिंधिया हाशिए पर थे। पार्टी छोड़ने के बाद उन्होंने कमल नाथ सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप भी लगाए थे। फिलहाल सिंधिया केंद्र में उड्डयन मंत्री हैं।

अशोक चव्हाण

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण ने हाल ही में कांग्रेस ने इस्तीफा दिया और भाजपा में शामिल हो गए हैं। वे लंबे समय से पार्टी आलाकमान से नाराज चल रहे थे। भाजपा ने उन्हें महाराष्ट्र से राज्यसभा चुनाव के लिए प्रत्याशी बनाया है। कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू से चली सियासी खींचतान और आलाकमान ने नाराज होकर पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कांग्रेस छोड़ दी थी और पंजाब लोक कांग्रेस नाम से खुद की पार्टी बनाकर विधानसभा चुनाव भी लड़ा, लेकिन उन्हें कोई खास सफलता नहीं मिली। सितंबर 2022 में कैप्टन अमरिंदर सिंह भाजपा में शामिल हो गए। साथ ही पीएलसी का भाजपा में विलय कर लिया। गुलाम नबी आजाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद ने अगस्त 2022 में कांग्रेस को अलविदा कहा था। वे भी पार्टी से नाराज थे, साथ ही उस जी 23 ग्रुप में भी शामिल थे, जो पार्टी में बदलाव की मांग कर रहा था। कांग्रेस छोड़ने के बाद गुलाम नबी आजाद जम्मू-कश्मीर के दौरे पर पहुंचे और सितंबर 2022 में आजाद डेमोक्रेटिक पार्टी बनाई। कांग्रेस से अलग होने के बाद वे कई बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ कर चुके हैं।

जितिन प्रसाद

जितिन प्रसाद ने जून 2021 में कांग्रेस छोड़ी थी। वे उत्तर प्रदेश में ब्राह्मण वर्ग में बड़ा चेहरा हैं। साथ ही मनमोहन सरकार में केंद्रीय मंत्री भी रहे थे, लेकिन कांग्रेस ने जब प्रियंका वाड्रा को उत्तर प्रदेश का महासचिव बनाया तो वे हाशिए पर चले गए और उन्हें पार्टी में तवज्जो मिलना भी बंद हो गई। जिसके बाद वे कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हो गए। वे फिलहाल योगी सरकार में मंत्री हैं।

आरपीएन सिंह

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के दिग्गज नेता आरपीएन सिंह ने यूपी चुनाव से पहले जनवरी 2022 में कांग्रेस छोड़ दी थी। वे मनमोहन सरकार में केंद्र में मंत्री थे। आरपीएन सिंह ने जब कांग्रेस छोड़ी उससे एक दिन पहले ही पार्टी ने उन्हें स्टार कैंपेनर बनाया था। सिंह ने यह कहते हुए पार्टी छोड़ दी थी कि कांग्रेस पहले जैसी पार्टी नहीं रही है। कांग्रेस को अलविदा कहने के कुछ समय बाद ही उन्होंने भाजपा की सदस्यता ले ली।

अश्विनी कुमार

मनमोहन सरकार में कानून मंत्री रहे अश्विनी कुमार फरवरी 2022 में कांग्रेस से अलग हो गए। उन्होंने यह कहते हुए पार्टी छोड़ी दी थी कि वे पार्टी से बाहर रहकर बेहतर कार्य कर सकते हैं। कुमार ने सोनिया गांधी को अपना इस्तीफा भेजा था।

मिलिंद देवड़ा

महाराष्ट्र के बड़े नेता मिलिंद देवड़ा ने इसी साल जनवरी में कांग्रेस को अलविदा कहा है। वे एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए हैं। मिलिंद देवड़ा करीब 56 सालों से कांग्रेस से जुड़े थे। सुनील जाखड़ पंजाब विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को मिली करारी हार के बाद सुनील जाखड़ ने मई 2022 में पार्टी छोड़ दी थी। वे पंजाब में कांग्रेस के अध्यक्ष भी थे। बताया जाता है कि आलाकमान ने जब उन्हें प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाया तो उन्हें बड़ी जिम्मेदारी देने का वादा किया गया था, लेकिन बाद में जाखड़ को कोई जिम्मेदारी नहीं दी गई। जिसके बाद उन्होंने पार्टी को अलविदा कह दिया। कपिल सिब्बल कपिल सिब्बल ने मई 2022 में कांग्रेस से इस्तीफा दिया था और समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। सिब्बल फिलहाल राज्यसभा सदस्य हैं।

कार के पहिये में फंसा दुपट्टा और युवती को घसीटकर ले गया ड्राइवर, हालत गंभीर

इंदौर के सुपर कारिडोर पर इवेंट में जा रही दो युवतियों को टक्कर मारने के बाद भी नहीं रुकी कार।

इंदौर। सुपर कारिडोर पर शनिवार रात बड़ा हादसा टल गया। एक कार ड्राइवर ने युवतियों को घायल कर दिया। उसने टक्कर मारने के बाद भी कार नहीं रोकी। युवती का दुपट्टा कार के पहिये में फंस गया और वह दूर तक घसीटते हुए ले गया। दो युवतियां घायल हुई है। एक को निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। घटना शनिवार रात सुपर कारिडोर की है। द्वारकापुरी निवासी खुशी साहेब सेन ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। खुशी व उसकी सहेली काजल इवेंट संबंधित काम करती हैं। शनिवार रात खुशी और काजल इवेंट के लिए ग्राम रेवती में जा रही थी। गाड़ी खुशी ही चला रही थी। जैसे ही लवकुश चौराहा जाने के लिए सर्विस रोड़ की तरफ मुड़ी, पीछे से आई कार (एमपी 09 सीवी 1595) ने स्कूटर (एमपी 09 जेडई 3686) को टक्कर मार दी। राहगीरों ने पहुंचाया अस्पताल कार की टक्कर से दोनों युवतियां स्कूटर सहित नीचे गिर गई। कार के पहिये में काजल का दुपट्टा फंस गया और कार वाला घसीटते हुए ले गया। मुंह के बल गिरने से काजल को गंभीर चोट आई। पीछे आ रही सहेली नैना व अन्य राहगीरों ने उन्हें उठाया और तत्काल निजी अस्पताल पहुंचाया। काजल की हालत ज्यादा खराब है।

इंदौर में रात 3 बजे पब में छापा, मुंह छुपा कर भागे नशे में धुत युवक-युवतियां

विजय नगर एसीपी कृष्ण लालचंदानी को खबर मिली थी कि भामोरी स्थित सीओडी पब में पार्टी चल रही है। पब 250 से ज़्यादा लोग थे मौजूद, 5 थानो की पुलिस ने दी दबिश ,एसीपी देर रात बल लेकर पहुंचे

इंदौर। मध्य प्रदेश में इंदौर शहर के विजय नगर थाना क्षेत्र में सीओडी क्लब पर कल पुलिस ने दबिश दी। रात 3 बजे तक क्लब खुला था। पब में नशे में 250 से ज़्यादा युवक युवतियां थिरक रहे थे। दबिश के लिए पांच थानों का बल एकत्र करना पड़ा। पुलिस ने कार्यवाही की है। केस भी दर्ज किया गया है। विजय नगर एसीपी कृष्ण लालचंदानी को खबर मिली थी कि भामोरी स्थित सीओडी पब में पार्टी चल रही है। पब में रात तीन बजे भी सैकड़ों युवक युवतियों को शराब परोसी जा रही है। एसीपी ने परदेशीपूरा, एमआईजी, लसूड़िया थाना का बल एकत्र किया और छापा मारा। पुलिस को देखने के बाद भी क़रीब घंटे तक क्लब के दरवाज़े नहीं खोले पुलिसकर्मी बहार पुलिस खड़े रहे। संचालक ने अंदर से ताला बंद कर रखा था। बाद में पुलिस ने क्लब के सभी निकासी गेट पर बल को तैनात कर दिया ताकि कोई भाग न सके। काफ़ी मशक्कत के बाद ताला खोला गया। करीब 200-250 लोग अंदर मौजूद मिलें। जिसमें ज्यादातर युवक-युवती शामिल थे जो नशे में थे। पुलिस ने मामले में क्लब के स्टाफ को गिरफ्तार किया है।

कृष्ण लालचंदानी, एसीपी विजय नगर के अनुसार 200-250 लोग क्लब में बैठे थे । सूचना थी कि इस तरह की पार्टी क्लब में रोजाना चल रही थी। सूचना पर घेराबंदी कर कार्यवाही की 1-2 घंटे तक क्लब का ताला नहीं खोला गया। जिसके बाद भीड़ को क्लब से रवाना कर क्लब पर कार्यवाही की जा रही है।

ट्रांसगर्ल से शारीरिक संबंध बनाने पर कैफे संचालक पर केस दर्ज

इंस्टाग्राम पर हुई थी दोनों की दोस्ती, शादी के लिए करवा ली सर्जरी। दोनों लिवइन में रहने लगे थे।

इंदौर। विजय नगर थाना पुलिस ने एक युवक की शिकायत पर कैफे संचालक विभव शुक्ला उर्फ सोनू के विरुद्ध एफआइआर दर्ज की है। उसका आरोप है कि विभव ने उससे शादी का वादा किया तो ट्रांसगर्ल बन गया। पुलिस ने अप्राकृतिक कृत्य की धाराएं लगाई हैं। टीआइ सीबी सिंह के मुताबिक, 28 वर्षीय ट्रांसगर्ल की कानपुर निवासी सोनू से इंस्टाग्राम के माध्यम से दोस्ती हुई थी। सोनू ने सर्जरी करवाकर लड़के से लड़की बनने के लिए कहा। दोनों लिव इन रिलेशनशिप में रहने लगे और कानपुर, वृंदावन, इंदौर और दिल्ली की अलग-अलग होटलों में संबंध बनाए। पिछले वर्ष जून में सोनू घर आया और युवक (ट्रांसगर्ल) के स्वजन से भी शादी की चर्चा की। **शादी से किया इनकार** आरोपित

और पीड़ित प्रेमी युगल की तरह रहते कई बार टूर पर गए। स्वजन से मिलवाने के लिए कानपुर भी बुलाया गया। इस दौरान उसने युवक के चेहरे की सर्जरी भी करवा दी। आरोप है कि कुछ दिनों पूर्व सोनू ने शादी से इनकार कर दिया। पुलिस ने शुरुआत में दुष्कर्म का प्रकरण समझकर जांच की, लेकिन कानूनी जानकारों से सलाह लेने के बाद अप्राकृतिक कृत्य की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया।

इंदौर में चलती कार में लगी युवक ने कूदकर बचाई जान

रात ढाई बजे राजेंद्र नगर थाने के सामने की घटना, फायर ब्रिगेड ने बुझाई आग।

इंदौर। राजेंद्र नगर थाने के सामने शनिवार रात बड़ा हादसा टल गया। चलती कार में अचानक आग लग गई। गनीमत यह रही कि चालक धुआं देखते ही कार से कूद गया था। घटना करीब रात ढाई बजे की है। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने आग बुझाई। महू निवासी अजय शर्मा परिवार के साथ शादी में आए थे। परिवार तो रुक गया लेकिन अजय महू रवाना हो गए। जैसे ही राजेंद्र नगर थाने के सामने पहुंचे, कार से धुआं निकलने लगा। अजय तुरंत नीचे उतरे और थाने पहुंचकर पुलिसवालों को बताया। वापस लौटे तब तक कार धूं-धूं कर जल रही थी। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया।

बुजुर्ग की हत्या की कोशिश, चार लोगों पर केस दर्ज

सिटी चीफ इंदौर।

चंदन नगर थाना क्षेत्र में घर के बाहर हंगामा कर रहे युवकों ने बुजुर्ग की हत्या की कोशिश की। आरोपितों ने पत्थर मार कर जख्मी कर दिया। पुलिस ने चार लोगों पर केस दर्ज किया है। घटना नंदन नगर की है। पुलिस ने जफर अली की शिकायत पर केस दर्ज किया है। जफर के मुताबिक, आरोपित सुल्तान, इमरान अरहान और गुल्लू घर के बाहर गालियां दे रहे थे। 79 वर्षीय फखरुद्दीन ने समझाया तो आरोपितों ने पत्थर से हमला कर कर दिया।

इंदौर में एलिवेटेड ब्रिज का निर्माण मार्च से शुरू होना है, गैस-टेलीफोन लाइन का नहीं हुआ सर्वे

सिटी चीफ इंदौर।

एलआइजी चौराहा से लेकर नौलखा के बीच बीआरटीएस पर बनने वाले एलिवेटेड ब्रिज का काम जल्द शुरू किया जाएगा। सबसे पहले लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने विभिन्न एजेंसियों को सड़क के नीचे से गुजरने वाली उनकी लाइनों के बारे में पूछा है, जिसमें नर्मदा, ड्रेनेज, आप्टिकल फाइबर और गैस पाइप लाइन शामिल है। महीनों से विभाग इन्हें पत्र लिखकर लाइन के बारे में जानने में लगा हुआ है, मगर दो महीने बीतने के बावजूद न तो नगर निगम और न दूरसंचार कंपनियों व गैंस एजेंसी ने गंभीरता दिखाई है। इन्होंने पीडब्ल्यूडी को यह बताना तक उचित नहीं समझा है कि उनकी लाइन कहां से निकल रही है। अफसरों का कहना है कि ऐसी स्थिति में काम शुरू करने पर इनकी लाइन को नुकसान पहुंच सकता है। इससे इनकी लाइन और निर्माण कार्य दोनों प्रभावित होंगे। हालांकि सरकारी दूरसंचार कंपनी अगले सप्ताह सर्वे कर सकती है।बीआरटीएस पर 6.70 किमी लंबा एलिवेटेड ब्रिज बनाया जाएगा, जिसमें एलआइजी से इंडस्ट्री हाउस के बीच पहले चरण का काम मार्च में शुरू होगा। तीन दिन पहले पीडब्ल्यूडी ने निर्माण एजेंसी के माध्यम से स्वाइल टेस्टिंग (मिट्टी परीक्षण) करवा लिया है। अगले कुछ दिनों में स्वाइल टेस्टिंग की रिपोर्ट आएगी। इसके बाद फाउंडेशन तैयार किया जाएगा। इस दौरान पीडब्ल्यूडी और निर्माण एजेंसी ब्रिज का डिजाइन तय करेगी, मगर ब्रिज के लिए खोदाई शुरू करने पहले पीडब्ल्यूडी यह

चाहता है कि बीआरटीएस के नीचे कहां-कहां से लाइन गुजर रही है। इसका अंदाजा लग जाए ताकि काम शुरू होने के बाद इन्हें अन्यत्र शिफ्ट करने में थोड़ी मुश्किल होगी। साथ ही लाइन को नुकसान होने पर विभिन्न एजेंसियों को भरपाई भी देना होगी। इससे प्रोजेक्ट का बजट बढ़ने की अंदेशा रहता है। अधिकारियों के मुताबिक ब्रिज को खड़ा करने के लिए पांच से सात स्थानों पर पिलर आएंगे, जो एलआइजी से इंडस्ट्री हाउस के बीच रहेंगे। ऐसे में खोदाई के दौरान लाइन को नुकसान होगा तो लोगों को भी परेशानी हो सकती है। इन्हीं से बचने के लिए विभाग काम शुरू होने से पहले लाइनों को लेकर सर्वे करवाने में लगा है। 350 करोड़ होंगे खर्च एलिवेटेड ब्रिज को बनाने में 350 करोड़ का बजट रखा है। एलआइजी से इंडस्ट्री हाउस के बीच ब्रिज का पहले चरण रहेगा। इसके बाद इंडस्ट्री हाऊस से पलासिया के बीच बस लेन नहीं है। इसके बाद पलासिया से गीता भवन के बीच ब्रिज में तीन तरफ भुजा बनेगी ताकि चालकों को वाहन मधुमिलन, शिवाजी वाटिका और पिपलियाहाना की तरफ निकल सके। इन स्थानों पर भी लाइन को लेकर सर्वे होगा।

इंदौर को भा रही साइकिल से यारी किराये की साइकिल का चलन फिर बढ़ा

सिटी चीफ इंदौर।

आवागमन का सस्ता, सुलभ और सहज साधन साइकिल एक बार फिर ट्रेंड में है। इसे फिटनेस का जुनून कहें या पर्यावरण प्रदूषण रोकने की पहल, इंदौर को साइकिल से यारी बड़ी पसंद आ रही है। अनेक लोगों ने तो अपनी खुद की साइकिल खरीद रखी है लेकिन नाम मात्र के किराये पर मिल जाने के कारण लोग किराये पर लेकर भी अपनी सेहत सुधार रहे हैं।भागमभाग वाली लाइफ स्टाइल के बावजूद अब किराये की साइकिल का उपयोग बढ़ता जा रहा है। दो साल पहले एआइसीटीएसएल ने शहर में माय बाइक नाम से रेंट साइकिल सर्विस शुरू की थी। 22 साइकिल स्टैंड और 300 साइकिल से शुरू हुआ कारवां अब तक 106 साइकिल स्टैंड और 1940 साइकिल तक पहुंच चुका है। महज 15 रुपये देकर 10 घंटे तक इस साइकिल का उपयोग कर सकते हैं। एआइसीटीएसएल ने मार्च 2022 में माय बाइक एप्लीकेशन के माध्यम से साइकिल किराये पर देना शुरू किया था। शुरुआत में बीआरटीएस कारिडोर पर 22 साइकिल स्टैंड से 300 साइकिल का संचालन शुरू किया गया। धीरे-धीरे पब्लिक ट्रांसपोर्ट के रूप में इन साइकिल का उपयोग बढ़ने लगा। वर्तमान में पूरे शहर में 106 स्टैंड हैं, जहां से 1940 साइकिलों का संचालन किया जाता है। यूथ

से लेकर बुजुर्ग तक करते हैं उपयोग पब्लिक ट्रांसपोर्ट के रूप में ई-रिक्शा, सिटी बस, आइ-बस के बाद तेजी से किराये की साइकिल का चलन बढ़ रहा है। स्कूल-कालेज स्टूडेंट जहां कोचिंग आने-जाने के लिए साइकिल का उपयोग कर रहे हैं वहीं बुजुर्ग भी इन साइकिलों से सुबह-शाम की राइडिंग पर जा रहे हैं। कई जाब करने वाले भी इन साइकिलों का उपयोग मंथली प्लान के साथ कर रहे हैं। 1200 मंथली यूजर साइकिल का क्रेज इस तरह बदल रहा है कि माय बाइक एप पर 1200 यूजर ऐसे हैं जिन्होंने मंथली प्लान पर साइकिल किराये पर ले रखी है। हर महीने यह यूजर प्लान को अपडेट कर देते हैं। एआइसीटीएसएल ने बताया कि कई यूजर तो सालभर से मंथली प्लान पर इन साइकिलों का उपयोग कर रहे हैं।

हमारी संस्कृति को सबसे ज्यादा नुकसान ओटीटी ने पहुंचाया - रूमी जाफरी

सिटी चीफ भोपाल।

यदि हम सिनेमा में औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति पाना चाहते हैं तो सबसे पहले हमें अपनी भाषा पर गर्व करना सीखना होगा। हमारी संस्कृति को सबसे ज्यादा नुकसान ओटीटी ने पहुंचाया है। यदि हम सिनेमा में अपनी संस्कृति को बचाना चाहते हैं तो हमें ओटीटी पर खराब सीरीजों को देखना बंद करना होगा। यह कहना था पटकथा लेखक और फिल्म निर्देशक रूमी जाफरी का। मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी की ओर से गौहर महल में आयोजित तीन दिवसीय 'जश्न-ए-उर्दू' समारोह में तीसरे और अंतिम दिन गुफ्तगू के तहत उन्होंने यह बात कही। समारोह में अंतिम दिन प्रदेशिक और अखिल भारतीय

मुशायरा का आयोजन भी किया गया।गुफ्तगू में वरिष्ठ रंगकर्मी और फिल्म अभिनेता राजीव वर्मा ने कहा कि सिनेमा में औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति के लिए सबसे पहले बंगाली थिएटर के कलाकार गिरीश घोष ने कदम उठाया। उन्होंने अंग्रेजों के विरुद्ध पूरे देश में कई नाटक किए और उसके माध्यम से भारतीय संस्कृति और संस्कारों का संदेश आम लोगों तक पहुंचाया। अंग्रेजों ने ही सिनेमा में भारतीय संस्कृति को सबसे अधिक नुक़सान पहुंचाया था। मंच का संचालन विनय उपाध्याय ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत आचार्य विद्यासागर के युगांतरकारी अवदान को स्मरण कर भावभीनी श्रद्धांजलि से हुई।

शायरों ने पेश किए कलाम

इसके पूर्व समारोह में तीसरे और अंतिम दिन प्रथम सत्र में प्रादेशिक मुशायरे का आयोजन हुआ, जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ शायर हमीद गौहर ने की एवं संचालन डा जिया राना द्वारा किया गया। आखिरी सत्र में कुल हिंद मुशायरा आयोजित हुआ, जिसकी अध्यक्षता भोपाल के वरिष्ठ शायर जफर सहबाई ने की और संचालन मुईन शादाब द्वारा किया गया। इस मौके कई शायरों ने कलाम पेश किए।आखिर में उर्दू अकादमी की निदेशक डा नुसरत मेहदी ने तमाम श्रोताओं का आभार व्यक्त किया।

19 समूह की 48 शराब दुकानों के ठेकों के लिए लाटरी प्रक्रिया आज से शुरू

जिले में नवीनीकरण से बची 19 समूह की 48 शराब दुकानों के ठेकों के लिए दूसरे चरण के तहत लाटरी की प्रक्रिया आज से शुरू होने जा रही है। आबकारी विभाग द्वारा इन दुकानों की रिजर्व प्राइज (आरपी) 489.91 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। यह राशि पिछले साल की तुलना में 15 प्रतिशत अधिक है। इन 19 दुकानों की आरपी भी तय कर दी गई है। इसमें सबसे महंगा ठेका कोलार समूह और सबसे सस्ता ठेका बिलखिरिया समूह है।39 शराब दुकानों के नवीनीकरण आवेदन खरीदे जानकारी के अनुसार शनिवार तक 35 समूह में से 16 समूह ने अपनी मौजूदा 39 शराब दुकानों के ठेकों के नवीनीकरण के आवेदन खरीदे थे। अब नवीनीकरण से बची हुई शराब दुकानों के लिए लाटरी के आवेदन 19 से 22 फरवरी तक सुबह 10 से शाम 5. 30 तक खरीदे और जमा किए जाएंगे। विभाग ने भोपाल जिले की 87 शराब दुकानों के लिए आबकारी का लक्ष्य 916 करोड़ तय किया है। पिछले साल यह आंकड़ा 793 करोड़ था। 75 प्रतिशत नवीनीकरण के बाद जारी होंगे टेंडर जिले की 75 प्रतिशत दुकानों का नवीनीकरण और लाटरी प्रक्रिया होना अनिवार्य है। इससे कम होने पर नए सिरे से टेंडर कराए जाएंगे। इसकी प्रक्रिया 27 फरवरी से 4 मार्च तक चलेगी। 4 मार्च को ही टेंडर खोले जाएंगे।

बुजुर्ग मां की मौत हुई तो बेटे ने अंतिम संस्कार करने के बजाय गड्ढे में फेंक दिया शव, प्रकरण दर्ज

सिटी चीफ भोपाल।

जिस मां ने उसे अपनी कोख से जन्म दिया, पाल-पोसकर बड़ा किया, उसी बेटे ने मां की मौत होने पर उसका विधिवत अंतिम संस्कार करने तक की जहमत नहीं उठाई। उल्टा, उसने मां के शव को रात के अंधेरे में चुपचाल ले जाकर एक गड्ढे में फेंक दिया और घर लौट आया। घटना का पता चलने पर पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव को अंतिम संस्कार के लिए उसके रिश्तेदारों के सुपुर्द किया। पुलिस ने बेटे के खिलाफ केस भी दर्ज कर लिया है।गुनगा थाना पुलिस के मुताबिक ग्राम दिल्होद में रहने वाले जग्गा उर्फ जगदीश के साथ उसकी 80 वर्षीय मां तुलसा बाई भी रहती थी। जग्गा मेहनत

मजदूरी करता है। 13-14 फरवरी की दरमियानी रात तुलसा बाई का निधन हो गया। जग्गा ने मां का सामाजिक रीति-रिवाज से दाह संस्कार करने के बजाय शव को ले जाकर एक गड्ढे में फेंक दिया। दूसरे दिन परिवार के लोगों ने जगदीश से मां के बारे में पूछा, तब जाकर उसने बताया कि रात में मां की मौत हो जाने पर वह उसके शव को गड्ढे में फेंक आया। इस पर परिवार के लोगों ने गुनगा थाना पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को गड्ढे से निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए हमीदिया अस्पताल भिजवाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कांग्रेस की तैयारी पूरी, राहुल गांधी की न्याय यात्रा के बाद लोकसभा के प्रत्याशी होंगे घोषित

सिटी चीफ भोपाल।

आगामी माह में होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस तैयारी तेज कर दी है, जिसके चलते पार्टी में प्रत्याशी चयन को लेकर सुगबुगाहट का दौर भी शुरू हो गया है और अब चर्चा है कि कांग्रेस राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के बाद लोकसभा चुनाव के प्रत्याशियों के नाम का ऐलान करेगी। बता दें कि प्रत्याशी चयन के लिए स्क्रीनिंग कमेटी की दूसरी बैठक दिल्ली में अगले सप्ताह हो सकती है। पार्टी ने इस बार प्रदेश की 29 लोकसभा सीटों में से आधे पर नए चेहरे उतारने की तैयारी में है। इसके लिए समन्वयकों की रिपोर्ट, प्रदेश और जिला कांग्रेस के

पदाधिकारियों के फीडबैक पर प्रत्याशी चयन को कमेटी द्वारा अंतिम रूप देकर सूची केंद्रीय चुनाव समिति को भेजी जाएगी।राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा मध्य प्रदेश में दो मार्च को मुरैना से प्रवेश करेगी। यह छह या सात दिन प्रदेश में रहेगी। इस दौरान 690 किलोमीटर की यात्रा होगी। कांग्रेसियों ने इसके लिए तैयारी शुरू कर दी है। यात्रा मुरैना, ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, ब्यावरा, शाजापुर, मक्सी, उज्जैन, बड़नगर, बदनावर और सैलाना से गुजरेगी। इस दौरान विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ राहुल गांधी का संवाद होगा। पांच सभाएं भी होंगी। राहुल गांधी उज्जैन में भगवान महाकाल के दर्शन भी कर सकते हैं। 2019 में बुरी तरह हारी थी कांग्रेस साल 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस मध्य प्रदेश में बुरी तरह हार गई थी। प्रदेश की 29 में से सिर्फ एक सीट छिंदवाड़ा में कांग्रेस को सफलता मिल सकी थी, जबकि शेष 28 सीटों पर भाजपा को जीत मिली। इस बार छिंदवाड़ा भी खतरे में कांग्रेस के लिए मध्यप्रदेश में भी एक सीट छिंदवाड़ा भी अब खतरे में पड़ती दिखाई दे रही है। दरअसल, पिछले दिनों से जारी सियासी घटनाक्रम को देखते हुए अटकलें लगाई जा रही है कि कमल नाथ अपने बेटे नकुल नाथ के साथ भाजपा में शामिल हो सकते हैं और आज इसको लेकर सस्पेंस भी खत्म हो जाएगा। यदि ऐसा होता है तो कांग्रेस मध्य प्रदेश में कांग्रेस अपना सबसे मजबूत गढ़ भी खो देगी।

भारत भवन में लोक गायन की प्रस्तुति जनजातीय संग्रहालय में देखें चित्र प्रदर्शनी

सिटी चीफ भोपाल।

शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। सोमवार 19 फरवरी को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी।माह का प्रादर्श - इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में फरवरी माह के प्रादर्श के रूप में भूटिया समुदाय के आध्यात्मिक उपकरण फुरबा को प्रदर्शित किया जा रहा है। वीथि संकुल में इसे

सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक देखा जा सकता है। चित्र प्रदर्शनी - मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय की लिखंदरा दीर्घा में गोंड चित्रकार संतू तेकाम के चित्रों की प्रदर्शनी सह-विक्रय का संयोजन किया गया है। इस प्रदर्शनी को दोपहर 12 बजे से रात आठ बजे तक देखा जा सकता है। स्थापना दिवस समारोह - भारत भवन के अष्टदिवसीय स्थापना दिवस समारोह में आज सातवें दिन मनोभावना सिंह और साथी कलाकारों द्वारा बघेली गायन और कालूराम बमानिया और साथी कलाकारों द्वारा कबीर गायन की प्रस्तुति होगी। समय शाम साढ़े छह बजे से है। विरासत हैंडलूम प्रदर्शनी - त्रिलंगा स्थित पुराने माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय परिसर में विरासत हैंडलूम प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। 25 फरवरी तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में महिलाओं के समूहों द्वारा तैयार किए गए हस्तशिल्प एवं हाथकरघा उत्पाद प्रदर्शित किए जा रहे हैं। प्रदर्शनी में प्रदेश के अलावा अन्य राज्यों के 20 से अधिक बुनकर अपने उत्पाद लेकर आए हैं।

रेरा ही उड़ा रहा खुद के बनाए नियमों की धज्जियां

भवन अनुज्ञा की अनुमति लिए बगैर कार्यालय की छत पर कराया पक्का निर्माण

सिटी चीफ भोपाल।

प्रदेश में बिल्डर और भवन निर्माण एजेंसियों के लिए नियम-कायदा बनाने वाला रेरा (मप्र भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण), खुद ही इन नियमों की अवहेलना कर रहा है। बिना भवन अनुज्ञा लिए एक हजार स्क्वायर फीट से अधिक जगह में पक्का निर्माण किया गया है। लेकिन इससे संबंधित अनुमति भी नहीं ली गई है।दरअसल अरेरा हिल्स में हाथकरघा एवं हस्तशिल्प संचालनालय का तीन मंजिल भवन है। इसमें रेरा का मुख्य कार्यालय है। जहां अध्यक्ष, सचिव और अन्य जिम्मेदार अधिकारी बैठते हैं। यहीं बिल्डरों की अनियमितता के खिलाफ सुनवाई भी होती है। अब रेरा के अधिकारियों ने इसकी छत पर अवैध निर्माण कर लिया है। यहां लाइब्रेरी व अन्य कार्यालय बनाया जा रहा है। लेकिन इस निर्माण से संबंधित भवन अनुज्ञा नहीं ली गई है। साथ ही यह इमारत हाथकरघा एवं हस्तशिल्प संचालनालय की है, लेकिन इनसे भी सहमति नहीं ली गई है। शिकायत के बाद भी नहीं हुआ असर इस मामले में आरटीआइ कार्यकर्ता नितिन सक्सेना नगर निगम की

भवन अनुज्ञा शाखा से जानकारी मांगी थी। जिसमें सहायक यंत्री डीके सिंह ने बताया कि मप्र भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण, अरेरा हिल्स में कराए गए पक्के निर्माण व रेनोवेशन के संबंध में कोई भी अनुमति भवन अनुज्ञा शाखा द्वारा जारी नहीं की गई है और न ही इसके लिए कोई आवेदन आया है। जिसके बाद नितिन सक्सेना ने बिना अनुमति अवैध निर्माण की शिकायत रेरा के कार्यपालन यंत्री और नगर निगम के अधिकारियों से की, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

चोरी करने फ्लाइट से आता था शातिर बदमाश, पाश इलाकों में करता था वारदात, चोर गिरोह का पर्दाफाश

सिटी चीफ भोपाल।

राजधानी में गांधीनगर इलाके की पाश कालोनी में चोरी करने वाले एक गिरोह के लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सरगना मोहम्मद नियाज बेंगलुरु के शिवाजी नगर का रहने वाला है। वह कुछ समय पहले तक भोपाल सेंट्रल जेल में ही बंद था। तब उसने जेल के अंदर ही उसने कुछ बदमाशों के साथ मिलकर एक गैंग बना ली थी। वह बेंगलुरु से फ्लाइट का महंगा टिकट लेकर भोपाल आता था और अपने साथियों के साथ मिलकर गांधीनगर, लालघाटी इलाके की पाश कालोनी में चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था। माल का बंटवारा करने के बाद वह फ्लाइट से ही वापस लौट जाता था।खास बात यह है कि ये लोग चोरी करने के लिए चुराए गए वाहन का इस्तेमाल करते थे। इतना ही नहीं, ये वारदात करने के दौरान मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करते थे। ये सभी आरोपित पूर्व में भी चोरी के अपराधों में लंबे समय तक जेल में रह चुके हैं। **ऐसे मिला सुराग** मोबाइल टावर की लोकेशन के आधार पर गांधीनगर थाना पुलिस ने सीहोर के आष्टा से एक आरोपित गिरफ्तार किया था। उससे पूछताछ के बाद पूरे गिरोह का भंडाफोड़ हो गया। **लाखों का माल बरामद** पकड़े गए आरोपितों से गांधीनगर पुलिस ने लगभग सात लाख का माल बरामद किया है इनमें बाइक, मोपेड, सोने चांदी के जेवर, लैपटाप, महंगी घड़ी एवं नकद राशि शामिल है। **गिरोह में ये शामिल** बेंगलुरु का रहने वाला मोहम्मद नियाज इस गैंग का मास्टरमाइंड निकला। उसने जेल में रहने के दौरान कोहेफिजा में रहने वाले राजू खत्री और आष्टा, सीहोर के रहने वाले आबिद खान से दोस्ती कर ली थी। जेल से छूटने के बाद तीनों ने सिलसिलेवार चोरी की वारदातों करना शुरू कर दी थीं।

कमल नाथ के हवाले से बोले जीतू पटवारी- मैं कांग्रेसी था, हूं और रहूंगा

सिटी चीफ भोपाल।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कमल नाथ के हवाले से कहा कि मेरी उनसे बात हुई है। उन्होंने कहा कि जो बातें मीडिया में आ रही हैं, सब भ्रम है। मैं कांग्रेसी था, हूं और रहूंगा। लोकतंत्र में हार-जीत लगी रहती है। हर परिस्थिति में उन्होंने दृढ़ता के साथ कांग्रेस के विचार के साथ जीवन जिया है और आगे भी कांग्रेस के विचारों के साथ अंतिम सांस तक जीवन जीएंगे।यह भावना उनकी है, जो उन्होंने मुझे यह कही है। पटवारी ने कहा कि कमल नाथ के विरुद्ध षडयंत्र चल रहा है। भारतीय जनता पार्टी मीडिया-इंटरनेट मीडिया का दुरुपयोग कर कुचक्र चला रही है। किसी व्यक्ति की इतने सालों की निष्ठा पर कैसे सवाल खड़े किए जाते हैं, यह उसका एक उदाहरण है। कमल नाथ के स्थान पर उनके (पटवारी) द्वारा खंडन किए जाने पर कहा कि समय आने पर वे भी सामने आएंगे। उधर, प्रदेश कांग्रेस ने सिंधिया के साथ और अलग-अलग समय पर पार्टी छोड़कर भाजपा जाने वालों की एक सूची जारी की है। इसमें बताया गया कि कुछ नेताओं को छोड़ दिया जाए तो अधिकतर हाशिए पर हैं। राहुल लोधी, इमरती देवी, लखन मीना, रमेश दुबे, जय सिंह दरबार, मुकेश काला, मोना सुस्तानी, ब्रजराज सिंह चौहान सहित अन्य की आज

क्या स्थिति है। नलखेड़ा में जीतू पटवारी ने कहा- कोई कहीं नहीं जा रहा है पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ समेत कांग्रेस के विधायक और नेताओं के भाजपा में जाने की बात को प्रदेश कांग्रेस जीतू पटवारी ने नकार दिया है। उन्होंने नलखेड़ा में मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि सब मनगढ़ंत बातें हैं, कोई कहीं नहीं जा रहा है। इस मौके पर उनके साथ सुसनेर से कांग्रेस विधायक भैरोंसिंह बापू, प्रदेश कांग्रेस महामंत्री बाबूलाल यादव व कांग्रेस के स्थानीय नेता भी रहे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पटवारी शनिवार रात विश्व प्रसिद्ध मां बगलामुखी मंदिर पहुंचे थे। सपत्नीक उन्होंने मंदिर में दर्शन पूजन किए और सुख-समृद्धि की कामना की। अटकलों के बीच दिग्विजय सिंह का दावा, मुझे नहीं लगता कमल नाथ पार्टी छोड़ेंगे कांग्रेस नेता और राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने फिर कहा कि कमल नाथ कांग्रेस नहीं छोड़ेंगे। ईडी, आइटी और सीबीआइ को जो दबाव सब पर है, उन पर भी है, लेकिन कमल नाथ का चरित्र दबाव में आने वालों का नहीं है। मेरी कमल नाथ से चर्चा हुई है। कांग्रेस नेतृत्व की भी उनसे चर्चा हो रही है। भोपाल में रविवार को मीडिया से चर्चा में दिग्विजय सिंह ने कहा कि कमल नाथ ने कांग्रेस से अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की। हम सभी उन्हें इंदिरा गांधी का तीसरा सुपुत्र मानते हैं और उन्होंने हमेशा कांग्रेस का साथ दिया है। वे कांग्रेस के स्तंभ रहे हैं। कांग्रेस में उन्हें हर पद मिला है। केंद्रीय मंत्री रहे, एआइसीसी में महामंत्री रहे, मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और यहां के मुख्यमंत्री भी रहे। मुझे नहीं लगता कि वे पार्टी छोड़ेंगे। बता दें कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी भी कमल नाथ के भाजपा में जाने की अटकलों को खारिज कर चुके हैं। विधायक और पार्टी पदाधिकारियों के संपर्क में पटवारी, सिंघार व कटारे उधर, कमल नाथ, नकुल नाथ के समर्थकों समेत भारतीय जनता पार्टी में जाने की अटकलों के बीच प्रदेश कांग्रेस अपने विधायक और पार्टी पदाधिकारियों से संपर्क साध रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और उप नेता हेमंत कटारे ने विधायकों से चर्चा की। राम सिया भारती ने प्रदेश अध्यक्ष से मुलाकात की तो कुछ विधायकों ने फोन पर पटवारी को बताया कि वे कांग्रेस के ही साथ हैं।

विधायक असमंजस में

इस बीच, कमल नाथ के नजदीकी लोग भी विधायकों से संपर्क कर रहे हैं। कुछ विधायकों को दिल्ली पहुंचने के लिए भी कहा गया है, पर वे असमंजस में हैं। दरअसल, अब तक कमल नाथ ने अपने पत्ते नहीं खोले हैं। यही कारण है कि विधायक भी खुलकर कुछ नहीं कर रहे हैं। अभिजीत शाह सहित कई विधायकों ने तो साफ कर दिया है कि वे कांग्रेस के साथ हैं।

दोपहर तक नहीं खुले प्रदेश कांग्रेस के दरवाजे

कांग्रेस में मची सियासी हलचल के बाद भी रविवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के दरवाजे दोपहर तक नहीं खुले। राज्यसभा के लिए कांग्रेस के प्रत्याशी अशोक सिंह जब पहुंचे तो उन्होंने दरवाजे बंद देख कर्मचारियों को बुलवाया और फिर दरवाजे खुले। वे बाहर ही कार्यकर्ताओं के साथ कुछ देर बैठे रहे और चले गए।

संपादकीय

तीसरी तिमाही में कंपनियों के नतीजों से मिल रहा उत्साहवर्धक संकेत

चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर 2023) में आए 3,233 सूचीबद्ध कंपनियों के नतीजे बताते हैं कि खपत अभी भी कम है लेकिन सुधार के कुछ संकेत हैं और कॉर्पोरेट निवेश में सुधार हो रहा है। विशुद्ध बिक्री में पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में केवल सात फीसदी का इजाफा हुआ है और यह मुद्रास्फीति से मामूली रूप से अधिक है। कर पश्चात लाभ और परिचालन लाभ या एबिटा (ब्याज, कर, मूल्यह्रास और ऋण परिशोधन के पहले की कमाई) में इस दौरान क्रमशः 24.5 फीसदी और 26 फीसदी का इजाफा हुआ। परिचालन मुनाफा मार्जिन में भी इजाफा हुआ। अन्य आय में भी करीब 25 फीसदी का इजाफा हुआ है जो टिकाऊ भी हो अथवा नहीं। मौद्रिक सख्ती का भी स्पष्ट असर नजर आया है और ब्याज की लागत सालाना आधार पर 33 फीसदी और तिमाही आधार पर 5 फीसदी बढ़ी है। बैंकों के ऋण में सालाना आधार पर 30 फीसदी और तिमाही आधार पर 4.5 फीसदी का इजाफा हुआ है। उन्होंने शुल्क आधारित आय में भी 38 फीसदी वृद्धि प्राप्त की है। ऋण की लागत भी सालाना आधार पर 45 फीसदी और तिमाही आधार पर 6 फीसदी बढ़ी और लाभ 17 फीसदी बढ़ा। गैर बैंकिंग वित्तीय क्षेत्र को रिजर्व बैंक के उस निर्णय से झटका लगा है जिसमें उसने असुरक्षित ऋण का जोखिम भार बढ़ाने को कहा है। गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों की ब्याज लागत भी 27 फीसदी बढ़ी है जबकि उन्होंने मुनाफे में 17 फीसदी वृद्धि की घोषणा की है। तेल खनन क्षेत्र का मुनाफा सालाना आधार पर 8 फीसदी कम हुआ जबकि तिमाही आधार पर इसमें 19 फीसदी की कमी आई। कच्चे तेल की कीमतों में कमी आई और अप्रत्याशित लाभ पर कर ने कर पश्चात लाभ को सीमित किया। रिफाइनरी का मुनाफा सालाना आधार पर 65 फीसदी बढ़ा लेकिन तिमाही आधार पर इसमें 33 फीसदी की गिरावट आई। अस्थिरता भरे तेल एवं गैस क्षेत्र अथवा वित्तीय क्षेत्र को छोड़ दिया जाए तो अन्य क्षेत्रों की शुद्ध बिक्री में कुल मिलाकर 5 फीसदी का इजाफा हुआ और एबिटा में 20 फीसदी का इजाफा हुआ। कर पश्चात लाभ में 32 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। एकबारगी असाधारण वस्तुओं के लिए समायोजित करने के बाद कर पश्चात लाभ में वृद्धि 28 फीसदी रहती है जो कि काफी प्रभावशाली है। परिचालन मार्जिन 18.5 फीसदी के साथ 0.50 फीसदी अधिक रहा। बेहतर बड़ी खपत का एक संकेत यह है कि वाहन क्षेत्र की बिक्री में 20 फीसदी इजाफा हुआ है और इस दौरान कर पश्चात लाभ में 57 फीसदी इजाफा हुआ। बढ़े मुनाफे में एक योगदानकर्ता टाटा मोटर्स है जहां कर पश्चात लाभ में मुख्य वृद्धि विदेशी बाजारों में जगुआर लैंडरोवर से आई है। बहरहाल मारुति, हीरो होंडा, बजाज ऑटो, टीवीएस आदि सभी का प्रदर्शन अच्छा रहा। दोपहिया वाहनों और छोटी कारों का कारोबार बताता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में मांग बढ़ी है। त्योहारी मौसम की रियायतों ने भी इसे गति प्रदान की है। दैनिक उपयोग की उपभोक्ता वस्तुओं में दैनिक खपत स्थिर रही। तीसरी तिमाही में इसकी बिक्री केवल 6 फीसदी बढ़ी जबकि कर पश्चात लाभ 3 फीसदी बढ़ा। पूंजीगत वस्तु क्षेत्र के राजस्व में भी 14 फीसदी की वृद्धि हुई और कर पश्चात लाभ 55 फीसदी बढ़ा। इससे अनुमान लगता है कि कॉर्पोरेट पूंजी निवेश वापस आ रहा है। सॉफ्टवेयर उद्योग की वैश्विक निर्यात वृद्धि में कमजोरी जारी है। बिक्री में चार फीसदी का इजाफा हुआ जबकि कर पश्चात लाभ स्थिर मुद्रा के संदर्भ में एक फीसदी बढ़ा। निर्यात में अहम योगदान करने वाले फार्मा उद्योग का प्रदर्शन बेहतर रहा और उसकी बिक्री 10 फीसदी तथा मुनाफा 29 फीसदी बढ़ा। अधोसंरचना के लिए जरूरी कच्चे माल वाले क्षेत्रों में सीमेंट अधिशेष क्षमता वाला है जबकि इस्पात और गैर लौह धातुओं मसलन एल्युमीनियम और तांबे की घरेलू मांग बेहतर है। इससे कमजोर वैश्विक कीमतों की भरपाई हो रही है। ऐसे संकेत हैं कि वैश्विक जिंस चक्र अपने निचले स्तर पर जा रहा है।

विश्लेषणः शब्द नहीं... भावनाएं चाहिए, ताकि भारत के चरित्र और संविधान की मूल संरचना पर न पड़े असर

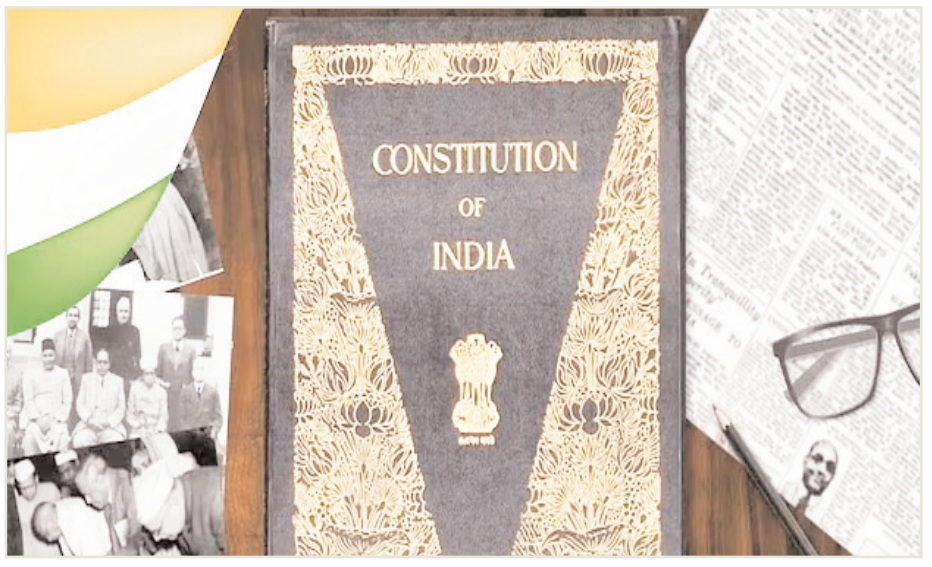

जहां तक समाजवादी और पंथनिरपेक्ष शब्दों को शामिल करने का सवाल है, यह कहना उचित होगा कि 42वां संशोधन राजनीति से प्रेरित था। जिस पर सांविधानिक आवरण दिया गया। अगर इस संशोधन द्वारा जोड़े गए शब्द हटा भी दिए जाएं, तो भारत के चरित्र व संविधान की मूल संरचना पर फर्क नहीं पड़ेगा।हाल ही में संविधान के 42वें संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा उद्देशिका से समाजवादी और पंथनिरपेक्ष शब्दों को हटाने के लिए उच्चतम न्यायालय के निर्देश की मांग करते हुए याचिकाएं दायर की गई हैं, जिनमें दावा किया गया है कि यह संशोधन संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन है, जिसकी व्याख्या 1973 में ऐतिहासिक केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य मामले में देश के शीर्ष न्यायालय द्वारा की गई थी। मूल ढांचे का सिद्धांत संविधान में संशोधन करने के लिए संसद की शक्ति पर एक सीमा निर्धारित करता है। इसमें कहा गया है कि संसद उन मूल्यों को परिवर्तित या विकृत या संशोधित नहीं कर सकती है, जिनसे इस ढांचे का निर्माण हुआ है। यह सिद्धांत इस अर्थ में महत्वपूर्ण है कि यह नागरिकों की स्वतंत्रता और उनके अधिकार और राज्य के प्राधिकार के बीच संतुलन स्थापित करता है, जिससे भारत में संविधानवादी विचारधारा की रक्षा होती है। हालांकि न्यायालय ने इन याचिकाओं पर सुनवाई अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दी है, लेकिन सवाल यह है कि क्या यह वाकई संविधान के मूल ढांचे के विरुद्ध है। उल्लेखनीय है कि प्राचीन काल से ही भारत अपने चरित्र और भावना, दोनों में सहिष्णु और पंथनिरपेक्ष रहा है और अपने बहुरूपदर्शक सांस्कृतिक परिदृश्य की दृढ़ता से रक्षा करता रहा है। इसी प्रकार वर्षों से समाज में मौजूद विषमताओं के आलोक में समता आधारित सामाजिक एवं आर्थिक व्यवस्था स्थापित करने के लिए प्रयासरत है। हालांकि, उदार लोकतांत्रिक मानसिकता भी उतनी ही महत्वपूर्ण रही है, जिसने एक जीवंत लोकतंत्र की नींव रखी है। यही कारण है कि संविधान में ऐसी सभी विचारधाराओं को शामिल किया गया है, जो यह सुनिश्चित करती हैं कि राष्ट्र विविधता में एकता के अंतर्निहित सिद्धांत के साथ एकीकृत और अखंड बना रहे। इस पृष्ठभूमि में, सबसे पहले मूल संविधान में निहित प्रावधानों पर एक नजर डालना अनिवार्य है। भारत ने उदारवाद के विचार पर आधारित संसदीय लोकतंत्र को अपनाया है और वितरणात्मक न्याय प्रदान करने के लिए समतावादी सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था स्थापित करने का लक्ष्य भी निर्धारित किया है। संविधान निर्माताओं ने इन विचारधाराओं को बहुत बुद्धिमत्ता से संतुलित किया था और इसी कारण उद्देशिका में न तो उदारवादी और न ही समाजवादी शब्द का स्पष्ट रूप से उपयोग किया था। उदार लोकतंत्र के विचार को भाग (अनुच्छेद 14-32) में निहित मौलिक अधिकारों में संस्थागत रूप दिया गया है, जबकि समतावादी विचार की जड़ें भाग में राज्य नीति-निर्देशक तत्वों के रूप में रखी गई हैं, जो वितरणात्मक न्याय के सिद्धांत को स्थापित करती हैं। इसका अर्थ संसाधनों का समतामूलक वितरण (आवश्यकताओं के अनुसार) करना है और इसकी व्याख्या अनुच्छेद 38, 39 और 46 में की गई है। संविधान की उद्देशिका ने एक राष्ट्र-राज्य के रूप में भारत के राजनीतिक-सांविधानिक अर्थ को स्पष्ट करते हुए संप्रभु लोकतांत्रिक गणराज्य का उल्लेख किया, जबकि सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक पहलुओं के रूप में भारत में क्रमशः समाजवाद और पंथनिरपेक्षता के आयाम आनुवंशिक रूप में शामिल रहे। ऐसी सभी विचारधाराओं ने मूल ढांचे के निर्माण में योगदान दिया। हालांकि, राजनीतिक रूप से शासन प्रणाली में शामिल करने की दृष्टि से इसे जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29 ए की उपधारा (5) में शामिल किया गया था, जो राजनीतिक दलों को भारत के संविधान के प्रति सच्ची आस्था और निष्ठा रखने के लिए बाध्य करता है। साथ ही, उन्हें समाजवाद, पंथनिरपेक्षता और लोकतंत्र के सिद्धांतों और भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए भी निर्देश देता है। जहां तक 'समाजवादी' और 'पंथनिरपेक्ष' शब्दों को शामिल करने का सवाल है, यह कहना उचित होगा कि 42वां संशोधन राजनीति से प्रेरित था, जिस पर सांविधानिक आवरण दिया गया था। इसका उद्देश्य राज्य के प्राधिकार के दायरे और सीमा को व्यापक बनाने के लिए निर्देशक सिद्धांतों को प्राथमिकता देना था। आपातकाल में सरकार ने कुछ प्रावधानों का लाभ उठाया, जैसे कि 39 (बी) और (सी) में निहित प्रावधान क्रमशः भौतिक संसाधनों पर सामुदायिक स्वामित्व प्रदान कर और उत्पादन के साधनों के संकेंद्रण पर रोक लगा कर समाजवादी सिद्धांतों की पुष्टि करते हैं। इसी प्रकार, अनुच्छेद 25-28 में धार्मिक सहिष्णुता, जिसे बैरी कॉस्मिन ने नरम पंथनिरपेक्षता कहा है, के विचार ने भारत के पंथनिरपेक्ष चरित्र की नींव रखी। इसलिए सरकार ने दावा किया कि इन शब्दों को जोड़कर ऐसे सिद्धांतों को मजबूत किया गया है। संशोधन को राजनीति से प्रेरित बताने का कारण मिनर्वा मिल्स लिमिटेड बनाम भारत संघ 1980 मामले में शीर्ष न्यायालय के ऐतिहासिक फैसले से समझा जा सकता है। इस मामले में न्यायालय ने यह कहा कि मौलिक अधिकारों और निर्देशक तत्वों के बीच एक नाजुक संतुलन है, क्योंकि ये दोनों लोकतांत्रिक समाजवाद के सांविधानिक लक्ष्य को प्राप्त करने के उपकरण हैं। इसलिए, न्यायालय ने माना कि दोनों में से किसी को भी दूसरे पर प्राथमिकता नहीं दी जाएगी। हालांकि, राजनीतिक प्रेरणा के बावजूद यह कहना सही है कि संशोधन ने मूल ढांचे में बदलाव नहीं किया, क्योंकि भारत आरंभ से ही समाजवादी और पंथनिरपेक्ष था। संविधान की उद्देशिका से इन शब्दों को हटाने के हालिया विवाद पर लौटते हुए यह ध्यान रखना उचित है कि अगर इन्हें हटा दिया जाता है, तो भी भारत के चरित्र के कारण मूल संरचना प्रभावित नहीं होगी, जिसमें समाजवाद और पंथनिरपेक्षता के मूल्य शामिल हैं। जहां तक उद्देशिका में संशोधन की बात है, तो उल्लेखनीय है कि संसद की शक्ति अभी भी सीमित है और यह संविधान की मूल संरचना के अधीन है। दूसरी ओर, उद्देशिका स्वयं इस संरचना का हिस्सा नहीं है, लेकिन इसमें शामिल प्रतिबद्धताओं को बदला या संशोधित या विकृत नहीं किया जा सकता, क्योंकि भले ही उद्देशिका अर्थपूर्ण शक्तियों का स्रोत नहीं है, लेकिन यह निर्माताओं के विचारों को समझने और भाग और भाग के साथ मिलकर संविधान की त्रिमूर्ति के निर्माण में योगदान देने की कुंजी के रूप में कार्य करती है। इसका कानूनी महत्व अत्यधिक है, क्योंकि इसका उपयोग शीर्ष न्यायालय द्वारा संविधान के अस्पष्ट प्रावधानों की व्याख्या के लिए किया जाता है। याचिकाओं पर उच्चतम न्यायालय का फैसला तो देखने वाली बात होगी, पर इसमें संदेह नहीं कि भारत राजनीतिक रूप से उदारवादी और सामाजिक रूप से समतावादी रहा है। संविधान की मूल संरचना का सम्मान करते हुए समयानुकूल बदलावों से हर्ज नहीं होना चाहिए।

अपना पैसाः बैंकों के पास 42 हजार करोड़ से अधिक राशि लावारिस; जमा और निवेश का जरूर रखें रिकॉर्ड वरिष्ठ नागरिक

अपने वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आवश्यक है कि आप बैंकों में जमा पैसे और अन्य निवेश का रिकॉर्ड जरूर रखें। आंख मूंदकर पना पैसा बचत एवं निवेश में नहीं लगा सकते और न ही इसे भूल सकते हैं।?ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां लोग अपनी बचत भूल गए हैं। इसके परिणामस्वरूप बैंकों में करोड़ों रुपये लावारिस जमा पड़े हैं।मार्च, 2023 के अंत तक बैंकों में जमा के रूप में 42,272 करोड़ रुपये लावारिस पड़े हैं। आपको लगेगा कि मैं इस आंकड़े को बढ़ा-चढ़ाकर बता रहा हूं, लेकिन आरबीआई ने अपनी रिपोर्ट में यही कहा है। मैं अक्सर यह समझने में असफल रहा हूं कि समझदार भारतीय, जो पैसा बचाने और खर्च करने पर जोर देते हैं, वे कैसे बैंकों में इतना पैसा छोड़ सकते हैं और इसके बारे में भूल सकते हैं। हालांकि, इस मामले में मेरा दृष्टिकोण कुछ सप्ताह पहले बदल गया, जब एक दोस्त ने बताया कि उसके माता-पिता कई साल पहले बैंक में रखे पैसे भूल गए हैं। मेरे मित्र अविनाश सिंह के माता-पिता की उम्र करीब 80 साल है। उनके पिता रेलवे से वरिष्ठ पद से सेवानिवृत्त हुए थे। वह 25 वर्षों की नौकरी के दौरान देश के कई शहरों और कस्बों में तैनात रहे। इस अवधि में 10 से अधिक जगहों पर तैनाती के दौरान उन्होंने कई बैंकों और डाकघर में पैसा जमा किए थे। सेवानिवृत्ति के बाद पिछले एक दशक से वह पुणे के आसपास कहीं रह रहे हैं और अपने बेटे पर अधिक निर्भर हो गए हैं। बेटा उनका फाइनेंस देखने लगा, जिसमें उनके पिता के कई निष्क्रिय बैंक खातों की जानकारी सामने आई। सिंह परिवार ऐसा अकेला नहीं है। कई अन्य परिवारों में ऐसे बुजुर्ग हैं, जिन्होंने पिछले कुछ वर्षों में कई बैंक खोले। इनमें से कुछ खाते इसलिए खोले गए, क्योंकि उन पर संगठनों/संस्थाओं की बाध्यता थी। कई खाते किसी रिश्तेदार या मित्र के कहने पर नए बैंक या शाखा में खोले गए। कुछ ने इसलिए भी खाते खोले, क्योंकि उन्हें कम जमा पर लॉकर आदि की पेशकश की गई थी। इन उदाहरणों के देखकर आपको बिना सोचे-समझे खाता खोलने की होड़ का अंदाजा लग गया होगा। इसकी भी आशंका है कि कर अधिकारियों से पैसे छुपाने के लिए भी कई खाते खोले गए होंगे।पिछले 10-15 वर्षों में बैंकिंग क्षेत्र में काफी बदलाव आया है। ऑनलाइन और मोबाइल बैंकिंग के आने से कुछ ही खातों के जरिये लेनदेन आसान हो गया है। पैन और आधार को बैंक खाते से लिंक करने से खातों को छुपाना लगभग असंभव हो गया है। नियामकीय अनुपालन बढ़ने के साथ बैंकों ने भी निगरानी बढ़ाई, जिससे कई निष्क्रिय खाते सामने आ रहे हैं। कई खाताधारक अब उन पतों पर नहीं रहते हैं, जिसकी जानकारी उन्होंने खाता खोलते समय बैंक को दी थी। इसका अर्थ है कि बैंक के पास खाताधारकों से संपर्क का जरिया नहीं है। निष्क्रिय खाता फिर से चालू कराने के लिए पुराने बैंक खाते के रिकॉर्ड का पता लगाने और संबंधित बैंक से संपर्क करने से बेहतर कोई तरीका नहीं है। आपको फिर से केवाईसी (नो योर कस्टमर) प्रक्रिया से गुजरना होगा। हालांकि, इसमें कई बार भी समय लग सकता है। अगर बैंक दूसरे शहर में है तो कुछ मामलों में यह प्रक्रिया मुश्किल हो सकती है।

पड़ोसः पाकिस्तान में फौज ही है सब कुछ, पर उसका नहीं है कोई राष्ट्रीय चरित्र

पाकिस्तान में यदि कोई राष्ट्रीय चरित्र वाली पार्टी है, तो वह सेना है और दिलचस्प यह है कि उसका अपना कोई राष्ट्रीय चरित्र ही नहीं है।पाकिस्तानी सेना ने पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पार्टी को सत्ता में लाने की पटकथा चुनाव से पहले ही लिख दी थी। उसने अपने घनघोर आलोचक इमरान खान को जेल में डाल दिया। उन्हें चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया। पार्टी का चुनाव चिह्न छीन लिया गया। पार्टी को निर्दलीय उम्मीदवारों के रूप में अपने प्रत्याशी उतारने पड़े। इसके बावजूद उन उम्मीदवारों ने नवाज शरीफ की पीएनएल (एन) और बिलावल की पीपीपी को धूल चटा दी। भले ही नवाज शरीफ की पार्टी फिर भी सरकार बना रही है, पर अब पूरा विश्व जान गया है कि उस दल को सत्ता सौंपी गई है, जिसे जनता ने बहुमत नहीं दिया है। दरअसल पाकिस्तान में अब तक अपराजेय रही सेना साल-डेढ़ साल से अपना दबदबा कायम रखने के लिए संघर्ष कर रही है। पर कुछ समय से उसका हर दांव उल्टा पड़ रहा है। असल में पाकिस्तान ने जब से दुनिया के नक्शे में आकार लिया, तब से एकाध अपवाद छोड़कर फौज ही हुकूमत करती रही है। संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना की संक्षिप्त पारी छोड़ दें, तो कोई भी राजनेता तभी काम कर पाया, जब उसने सेना के साथ तालमेल बिठाया। हालांकि अंतिम दिनों में जिन्ना भी अपनी छवि पर दाग लगने से नहीं रोक पाए थे। यहीं से पाकिस्तान के लोकतंत्र की गाड़ी पटरी से उतर गई। फौज धीरे-धीरे निरंकुश होती गई और उसके अधिकारी अपने-अपने धंधे करते रहे। यह फौज जुल्फिकार अली भुट्टो को प्रधानमंत्री भी बनवाती और सरेआम फांसी पर लटकाती है, बहुमत से चुनाव जीतने के बाद भी बंगबंधु शेख मुजीब उर रहमान को जेल में डालती है और एक मुल्क के दो टुकड़े भी होने देती है। बेनजीर भुट्टो की हत्या भी ऐसी ही साजिश का परिणाम थी। कारगिल में घुसपैठ कराके अपनी किरकिरी कराने वाली भी यही फौज है। यानी सेना को जम्हूरियत तभी तक अच्छी लगती है, जब तक हुक्मरान उसकी जेब में रहें और उसके इशारों पर नाचते रहें। देश का पिछड़ापन और तमाम गंभीर मसले उसे परेशान नहीं करते। वह जानती है कि लोग जब तक हिंदुस्तान से नफरत करते रहेंगे, तब तक उसकी दुकान चलती रहेगी। पाकिस्तान में महंगाई चरम पर है, बेरोजगारी बढ़ती जा रही है, आतंकवादी वारदातें कम नहीं हो रही हैं, उद्योग-धंधे चौपट हैं, दुनिया में पाकिस्तान की किरकिरी हो रही है और देश दिवालिया होने के कगार पर है। शाहबाज शरीफ कल भी फौज की कठपुतली थे, आज भी हैं और कल भी रहेंगे। आज यदि सेना इमरान को प्रधानमंत्री बना दे, तो वे फिर फौज के गीत गाने लगेंगे और शाहबाज शरीफ को सेना गद्दी से उतार दे, तो वह उसके खिलाफ धरने पर बैठ जाएंगे। यानी पाकिस्तान में फौज ही सबकुछ है। फौज के खिलाफ आम नागरिक सड़कों पर उतर आएं, ऐसा सिर्फ एक बार हुआ है। उस समय जनरल अयूब खान को राष्ट्रपति इस्कंदर मिर्जा ने सेना का मुखिया बनाया था। बीस दिन ही बीते थे कि अयूब खान ने सैनिक विद्रोह के जरिये मिर्जा को ही पद से हटा दिया। वे ग्यारह साल तक पाकिस्तान के सैनिक शासक रहे। इस दरम्यान अवाम कुशासन से त्रस्त हो गई थी और लोग सड़कों पर उतर आए थे। अयूब खान जब देश छोड़कर भागे, तो अपना उत्तराधिकारी जनरल याह्या खान को बना गए। पचहत्तर साल बाद भी पाकिस्तान में कोई अखिल राष्ट्रीय पार्टी नहीं उभर पाई है। बिलावल भुट्टो की अगुआई वाली पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी सिंध के मतदाताओं की दया पर निर्भर है, तो शरीफ बंधुओं की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) पंजाब के वोटरों के इर्द-गिर्द घूमती है। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान नियाजी की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पख्तूनिस्तान और आसपास के सीमांत इलाकों में जनाधार वाली पार्टी है। बाकी कुछ सूबाई राजनीतिक दल भी चुनाव मैदान में हैं। लेकिन उनका असर इतना कम है कि उनकी नुमाइंदगी बमुश्किल दहाई में पहुंच पाती है। पाकिस्तान में यदि कोई राष्ट्रीय चरित्र वाली पार्टी है, तो वह सेना है और दिलचस्प यह है कि उसका अपना कोई राष्ट्रीय चरित्र ही नहीं है। वह कभी चुनाव मैदान में नहीं उतरती। वह केवल सियासी दलों को लड़वाने का काम करती है। वह अमेरिका से आशीर्वाद लेती है और वहां की चुनी हुई सरकार चीन के गीत गाती है। इस तरह दोनों महाशक्तियों के साथ उसका संतुलन बना रहता है।

भस्म आरती में फलों से सजे बाबा महाकाल, पान का भी लगाया गया भोग

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आज माघ शुक्ल पक्ष की दशमी पर सोमवार तड़के भस्म आरती के दौरान चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पण्डे पुजारी ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन कर भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर फलों के रस से बने पंचामृत से कर पूजन अर्चन किया। इसके बाद प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद भगवान महाकाल को रुद्राक्ष और गुलाब की माला पहनाकर फलों से श्रृंगार किया गया। इस श्रृंगार के बाद बाबा महाकाल के ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्मी रमाई गई। भस्म अर्पित करने के पश्चात भगवान महाकाल को रजत मुकुट रजत की मुण्डमाल और रुद्राक्ष की माला के साथ साथ ही सुगंधित पुष्प व फलों की माला अर्पित कर पान और मिष्ठान का भोग लगाया गया। बता दें कि भस्म आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुँचे, जिन्होंने बाबा महाकाल के इस दिव्य स्वरूप के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। महानिर्वाणी अखाड़े की और से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गयी। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दिव्य दर्शनों का लाभ लिया। जिससे पूरा मंदिर परिसर जय श्री महाकाल की गूंज से गुंजायमान हो गया।मध्यप्रदेश शासन की राजकीय अतिथि पूज्य आनंदमूर्ति गुरु मां ने अपने उज्जैन प्रवास के दौरान श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुचकर श्री महाकालेश्वर भगवान जी के पूजन-अभिषेक किया। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि आनंदमूर्ति गुरु मां श्री महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन करने पहुंची थी, जहां उन्होंने गर्भगृह से बाबा महाकाल का पूजन और अभिषेक किया।

रकुल प्रीत की शादी में सिक्योरिटी संभालेगा यूसुफ इब्राहिम, 'वन मैन आर्मी' के नाम से है मशहूर

नई दिल्ली । रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी के लिए वो खास दिन करीब आ रहा है जब दोनों शादी के बंधन में बंध जाएंगे। इस खास फंक्शन के लिए बहुत टाइट सिक्योरिटी अरेंजमेंट किए गए हैं और गोवा में होने जा रही इस शादी में चीजें बिना किसी रुकावट या गड़बड़ी के चलती रहें इसलिए कपल ने यूसुफ इब्राहिम को हायर किया है। सेलेब्रिटीज के बीच सिक्योरिटी के मामले में यूसुफ को 'वन मैन आर्मी' के तौर पर जाना जाता है। यूसुफ वही शख्स हैं जिन्होंने रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की शादी में सुरक्षा व्यवस्था संभाली थी।यूसुफ ने संभाली है इन शादियों में सिक्योरिटी

टॉप नॉच सिक्योरिटी प्रोवाइड करने और क्विक डिसीजन्स के लिए मशहूर यूसुफ इब्राहिम ने आलिया-रणबीर के अलावा विकी कौशल-कटरीना कैफ, वरुण धवन-नताशा दलाल और शाहिद कपूर-मीरा राजपूत की शादी में भी सिक्योरिटी अरेंजमेंट संभाले थे। शनिवार की शाम जैकी भगनानी गोवा के लिए रवाना हो गए और यूसुफ को रकुल प्रीत के साथ चलते हुए स्पॉट किया गया।

सेलेब्स की शादी में आती हैं क्या-क्या चुनौतियां?

जब हाई प्रोफाइल शादियों की सुरक्षा संभालने में आने वाली चुनौतियों के बारे में पूछा गया तो यूसुफ ने ॠह्लढ्ढ के साथ बातचीत में कहा, अगर हम सटीक प्लानिंग करें और ठीक से इसे एग्जिक्यूट कर पाएं तो यह मुश्किल नहीं है। उन्होंने बताया कि सीक्रेसी और सिक्योरिटी हमेशा उनकी पहली प्राथमिकता होती है। मेहमानों के लिए जारी किए गए प्रोटोकॉल्स के बारे में पूछने पर उन्होंने बताया कि कपल ने बड़े प्यार से मेहमानों को शादी में इनवाइट किया है और उन्हें जो चाहें करने देने की आजादी दी है। हनीमून नहीं अभी काम है कपल की प्राथमिकता

शादी के पहले हाल ही में रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी को सिद्धिविनायक मंदिर पर स्पॉट किया गया। बप्पा का आशीर्वाद लेने के बाद कपल शनिवार की शाम गोवा के लिए रवाना हो गया। उनके साथ उनके फैमिली मेंबर्स भी थे और अब दोनों वेडिंग डेस्टिनेशन पर पहुंच चुके हैं। कपल की शादी को इको-फ्रेंडली रखा जाएगा और वेडिंग फंक्शन्स 19 से लेकर 21 तारीख तक चलेंगे। खबर है कि शादी के ठीक बाद जोड़ा फिर काम पर लौट जाएगा और हनीमून अभी उनकी प्राथमिकता नहीं है।

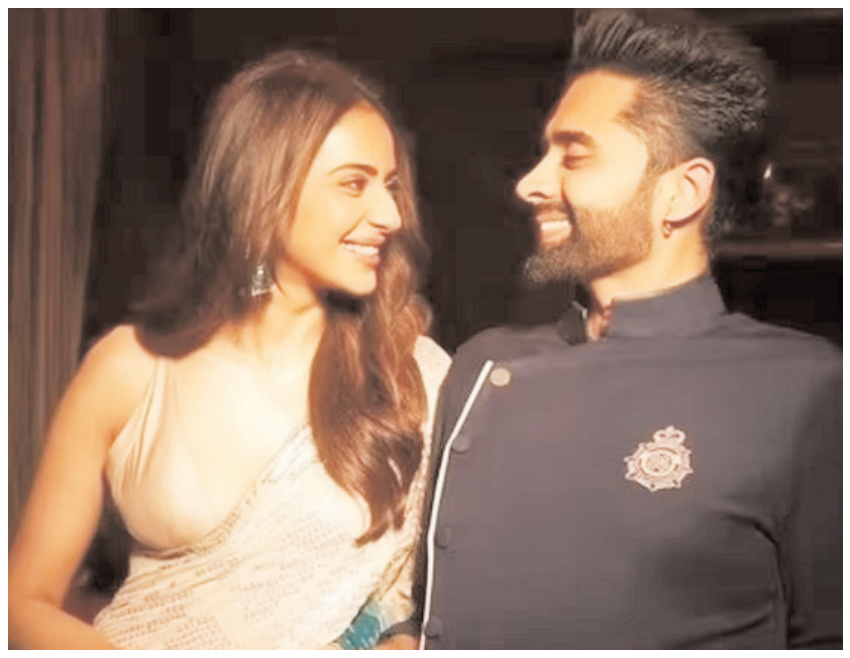

सिंगल कॉलम

रश्मिका मंदाना ने शेयर किए फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग के अनुभव

मुंबई ! साउथ की टॉप एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने हाल ही में एक फोटो के साथ हाल ही में फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग के अनुभव शेयर किए हैं। रश्मिका ने हाल ही में अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर अभिनेत्री श्रद्धा दास के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर की। इस फोटो के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, केवल आपकी जानकारी के लिए, इस तरह हम आज मौत से बाल-बाल बच गए। जमीन पर सुरक्षित उतरने के बाद रश्मिका और श्रद्धा खुशी से मुस्कुरा रही थीं। इसके साथ उन्होंने अपने पैरों की फोटो भी शेयर की है। दरअसल, रश्मिका मंदाना, श्रद्धा और अन्य यात्रियों को ले जा रही एयर विस्तारा की फ्लाइट में तकनीकी खराबी आने के बाद यात्रियों को बेहद अजीब अनुभव का सामना करना पड़ा और पूरी फ्लाइट में अफरा-तफरी मच गई। रश्मिका की फ्लाइट मुंबई से हैदराबाद जा रही थी। तकनीकी खराबी के कारण 30 मिनट बाद फ्लाइट की मुंबई में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। इस घटना में यात्रियों की जान को कोई नुकसान नहीं हुआ।

खुलासा: ' 'कटप्पा' का किरदार निभाने वाले थे संजय दत्त

मुंबई फिल्म 'बाहुबली' आज भी बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर कही जाती है। फिल्म ने सचमुच बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया। इस फिल्म की कहानी जितनी पसंद की गई उतनी ही इस फिल्म के कलाकारों को भी जबरदस्त लोकप्रियता मिली। फिल्म बाहुबली में कटप्पा नाम का एक किरदार था। फिल्म में यह किरदार अभिनेता सत्यराज ने निभाया था। हालांकि, सबसे पहले इस रोल के लिए बॉलीवुड के संजू बाबा यानी एक्टर संजय दत्त से पूछा गया था। मेकर्स के मन में इस फिल्म में संजय दत्त को कटप्पा के किरदार में कास्ट करने का मन था। साउथ स्टार प्रभास की फिल्म बाहुबली हिट रही थी। फिल्म ने दुनियाभर में 570 करोड़ से ज्यादा की कमाई की। हालाँकि, इस फिल्म के अंत में एक सवाल सभी ने पूछा था। इन सवालों का जवाब जानने के लिए फैंस को बाहुबली 2 का इंतजार करना पड़ा। फिल्म बाहुबली 2 ने न सिर्फ दर्शकों के पूछे गए सवाल का जवाब दिया, बल्कि वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 1788 करोड़ रुपये का जबरदस्त कलेक्शन भी किया। फिल्म बाहुबली 1 देखने के बाद कटप्पा ने बाहुबली को क्यों मारा? यह प्रश्न दुनिया भर के दर्शकों द्वारा पूछा गया था। कटप्पा से जुड़े इसी सवाल की वजह से बाहुबली 2 ने बंपर कमाई की।

संजय दत्त थे पहली पसंद

इस फिल्म में एक्टर सत्यराज ने कटप्पा का किरदार निभाया था। लेकिन, इस रोल के लिए सत्यराज पहली पसंद नहीं थे। फिल्म में कटप्पा के किरदार के लिए मेकर्स पहले संजय दत्त को कास्ट करना चाहते थे। रेडिफ को दिए एक इंटरव्यू में इस बारे में बात करते हुए एसएस राजामौली के पिता और फिल्म लेखक वी. इसका खुलासा विजयेंद्र प्रसाद ने किया। इस बारे में बात करते हुए विजयेंद्र प्रसाद ने कहा कि बाहुबली के किरदार के लिए प्रभास का नाम हमेशा उनकी पहली पसंद थी। हालांकि, कटप्पा के रोल के लिए उनके दिमाग में संजय दत्त ही थे। हालाँकि, उस समय अभिनेता संजय दत्त जेल में थे। इसलिए उन्हें फिल्म में लेना संभव नहीं था। उसके बाद, अभिनेता सत्यराज इस भूमिका के लिए दूसरी पसंद थे। इसलिए बाद में सत्यराज को चुना गया। फिल्म बाहुबली की रिलीज के बाद कटप्पा का किरदार हर किसी के मन में बसा हुआ था। पहले भाग के एक प्रश्न ने दूसरे भाग के प्रति दीवानगी पैदा कर दी।

धर्मेंद्र ने रणबीर कपूर की तारीफों के बांधे पुल, तस्वीर साझा कर बताया प्रतिभाशाली

बॉलीवुड इंडस्ट्री के अनुभवी अभिनेता धर्मेंद्र फिल्मों के आलावा निजी जिंदगी को लेकर भी सुर्खियों में रहते हैं। धर्मेंद्र सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। अभिनेता ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पुरानी तस्वीर साझा की है, जिसमें वे रणबीर कपूर के साथ नजर आ रहे हैं। दिग्गज अभिनेता ने तस्वीर साझा कर रणबीर की प्रशंसा भी की है। धर्मेंद्र की यह पोस्ट सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो गई है।रणबीर को बताया टैलेंटेड लड़का

अभिनेता ने हाल ही में आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल से रणबीर कपूर के साथ एक पुरानी तस्वीर साझा की है। यह तस्वीर एक अवॉर्ड समारोह की है, जिसमें वे रणबीर कपूर के साथ बैठे हैं। दोनों सितारे मुस्कराते हुए कैमरे के सामने पोज दे रहे हैं। धर्मेंद्र ने तस्वीर साझा करते हुए लिखा, प्यारा और प्रतिभाशाली लड़का। अभिनेता की इस पोस्ट पर फैंस से लेकर फिल्मी सितारों तक अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। इस तस्वीर पर बॉबी देओल ने भी प्यार लुटाया है। यह तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। धर्मेंद्र का वर्कफ्रंट धर्मेंद्र हाल ही फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया में नजर आए। इसमें कृति सेनन और शाहिद कपूर मुख्य भूमिका में हैं। इसके अलावा अभिनेता रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में नजर आए थे। इसमें आलिया भट्ट और रणवीर सिंह लीड रोल में हैं। धर्मेंद्र की आगामी फिल्म की बात करें, तो वे अपने 2 में भी नजर आएंगे। ये साल 2007 में रिलीज हुई अपने का सीक्वल है, जिसे अनिल शर्मा ने डायरेक्ट किया था। फिल्म में धर्मेंद्र के साथ सनी देओल और बॉबी देओल भी थे। साथ ही कटरीना कैफ, शिल्पा शेट्टी और किरण खेर भी नजर आई थी। बताया जा रहा है कि दूसरे पार्ट में धर्मेंद्र के पोते करण देओल भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। रणबीर कपूर की आगामी फिल्में रणबीर कपूर आखिरी बार संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी फिल्म एनिमल में नजर आए। उनकी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई थी। अभिनेता की आगामी फिल्मों की बात करें, तो उनके पास पाइपलाइन में कई प्रोजेक्ट्स मौजूद हैं। रणबीर जल्द ही निर्देशक संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर में नजर आएंगे। इसमें वे अपनी पत्नी आलिया भट्ट के साथ स्क्रीन साझा करेंगे। इसके अलावा वे एनिमल पार्क में भी हैं, जो वर्ष 2023 की हिट फिल्म एनिमल का सीक्वल है। वहीं, रणबीर ब्रह्मास्त्र 2 में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रणबीर नितेश तिवारी की रामायण में राम की भूमिका में दिखेंगे।

छोटा सा फ्रैक्चर कैसे बन गया सुहानी भटनागर की मौत की वजह? सामने आया डॉक्टर्स का बयान

नई दिल्ली। आमिर खान की फिल्म 'दंगल' में छोटी बबीता का किरदार निभाने वाली सुहानी भटनागर ने दुनिया को अलविदा कह दिया। सुहानी तो दुनिया से चली गईं लेकिन अपने पीछे कई सवाल छोड़ गईं। लोगों के जहन में सवाल उठ रहा है कि कैसे एक छोटा सा फ्रैक्चर मौत की वजह बन गया। सुहानी की मौत के पीछे क्या डॉक्टर्स की लापरवाही थी? इस सभी सवालों के बीच दिल्ली एम्स की एक डॉक्टर का बयान सामने आया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, सुहानी भटनागर दिल्ली के एम्स में भर्ती थीं, जहां उनका इलाज जारी था। 16 फरवरी, शुक्रवार की शाम सुहानी की मौत हो गई। अब इस पूरे मामले में दिल्ली एम्स की डॉक्टर सोनिया रावत का एक बयान आया है। डॉक्टर ने कहा, 'जब किसी मरीज के शरीर में सूजन होती है तो शरीर की इम्यूनिटी कम होने लगती है। इस स्थिति में इम्यून सिस्टम हिस्टामीन रिलीज करती है।'डॉक्टर सोनिया ने कहा, 'हिस्टामीन रिलीज होने से शरीर में मौजूद कोशिकाओं के बीच जो खाली जगह होती है वह और चौड़ी होने लगती है, जिससे तरल पदार्थ निकलने लगता है। कई बार फ्रेक्चर होने की वजह से लोगों को काफी दर्द महसूस होता है। अगर बॉडी में सहनशीलता कम है तो इस केस में ज्यादा दवाई खानी पड़ती है, इससे लिवर डैमेज होने का खतरा बढ़ जाता है। साथ ही बॉडी के अंदर तरल पदार्थ जमा होने लगता है। साथ ही शरीर में पानी भरने का खतरा बढ़ जाता है।'गौरतलब है कि कुछ महीने पहले सुहानी भटनागर के पैर में फ्रैक्चर हुआ था। रिपोर्ट्स के अनुसार, यही फ्रैक्चर दंगल गर्ल की मौत की वजह बन गया। दरअसल, सुहानी इलाज के लिए जो दवा ले रही थीं, उसके रिएक्शन से उनके पूरे शरीर में पानी भर गया। बताया जाता है कि पानी भरने से सुहानी के शरीर में फ्ल्युड बनने लगा था। वह पिछले कुछ दिनों से दिल्ली के एम्स में भर्ती थीं। अफसोस की बात ये है कि एक्ट्रेस को बचाया न जा सका और उन्होंने शुक्रवार की शाम जिंदगी के दंगल से हार मान ली। उधर, शनिवार को जैसे ही सुहानी भटनागर की मौत की खबर सामने आई वो जंगल में आग की तरह फैल गई। सेलेब्स से लेकर फैंस तक इस बात से हैरान दिखे कि एक फ्रैक्चर कैसे जानलेवा हो सकता है। कई लोग सोशल मीडिया के माध्यम से डॉक्टर्स की गलती बता रहे हैं। इस बीच लोगों का कहना है कि सुहानी की मौत का दुख है। उसके परिवार को डॉक्टर्स के खिलाफ केस करना चाहिए।

जब इरफान से पहली बार मिले थे विक्रांत

बताया- अभिनेता के साथ बन रही मूवी क्यों रह गई अधूरी

साल 2023 में आई 12वीं फेल फिल्म ने अभिनेता विक्रांत मैसी के करियर को एक नया मोड़ दिया है। फिल्म ने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर जबर्दस्त कमाई की बल्कि हर वर्ग के दर्शकों से इसे प्यार और सराहना मिली। फिल्म में अपने किरदार के लिए विक्रांत ने फिल्मफेयर अवार्ड भी जीता। हालांकि, अभिनेता के लिए यह सफर आसान नहीं था। कई वर्षों तक छोटे पर्दे पर काम करने के बाद विक्रांत ने फिल्मों में छोटी भूमिकाएं करनी शुरू की थी। इसके बाद साल 2017 में उन्हें ए डेथ इन द गंज फिल्म मिली, जो उनके करियर में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुई। एक साक्षात्कार में विक्रांत ने खुलासा किया कि वे दिग्गज दिवंगत अभिनेता इरफान खान के साथ भी काम करने वाले थे। इस दौरान विक्रांत ने इरफान खान से अपनी पहली मुलाकात का किस्सा भी साझा किया।विक्रांत ने बताया, इरफान साहब से मैंने अपनी बिल्डिंग की लिफ्ट में मिला था। मेरे घर के ऊपर एक थिएटर एक्टर रहते हैं, जो उनके अछे दोस्त हैं। वो उनके घर आए थे और मैं गाड़ी से कुछ सामान लेने जा रहा था। ऊपर से लिफ्ट नीचे आई और जब उसका दरवाजा खुला तो मैंने इरफान साहब को देखा, मैंने बता नहीं सकता कि मैंने क्या महसूस किया था।

इस दौरान 12वीं फेल अभिनेता ने इरफान खान के साथ काम करने का किस्सा भी साझा किया। विक्रांत ने बताया कि उन्होंने इरफान के साथ एक फिल्म करने वाले थे। विक्रांत ने बताया, विशाल भारद्वाज सपना दीदी नाम से एक फिल्म बना रहे थे। उसमें दीपिका पादुकोण और इरफान साहब थे। फिल्म में मेरा भी एक रोल था। दीपिका और मैं लुक टेस्ट दे रहे थे और वह इरफान साहब मुख्य भूमिका में थे। हम अगले दिन उनसे मिलने वाले थे लेकिन जब अगले दिन मैं सो के उठा, तब तक उनके कैंसर की खबर सामने आ चुकी थी। इसके बाद सब कुछ रुक गया। विक्रांत ने इरफान खान को याद करते हुए बताया कि उनका पसंदीदा फिल्म मकबूल था। हाल ही में इरफान खान के बेटे और अभिनेता ने बाबिल खान ने भी एक भावुक नोट शेयर अपने पिता को याद किया था। पोस्ट में बाबिल अपने पिता इरफान के साथ आखिरी बार डांस नहीं कर पाने का अफसोस जताया था।

भोली सी सूरत, आंखों में शाहरुख खान के मुरीद हुए जॉन सीना, गाने लगे उनका ये गाना

मुंबई- शाहरुख खान के चाहने वालों की कमी नहीं है. देश से लेकर विदेश तक लोग उन्हें बहुत पसंद करते हैं. उनकी फैन फॉलोइंग बहुत जबरदस्त है. उनका स्टारडम कितना ज्यादा है इस बात का अंदाजा आपको इससे ही लग जाएगा कि WWE स्टार और हॉलीवुड एक्टर जॉन सीना भी शाहरुख खान का गाना सुनते हैं. दरअसल जॉन सीना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. इसमें वो शाहरुख खान का 'भोली सी सूरत आंखों में मस्ती' गाना गाते नजर आ रहे हैं. उनका ये वीडियो लोगों को खूब पसंद आ रहा है.

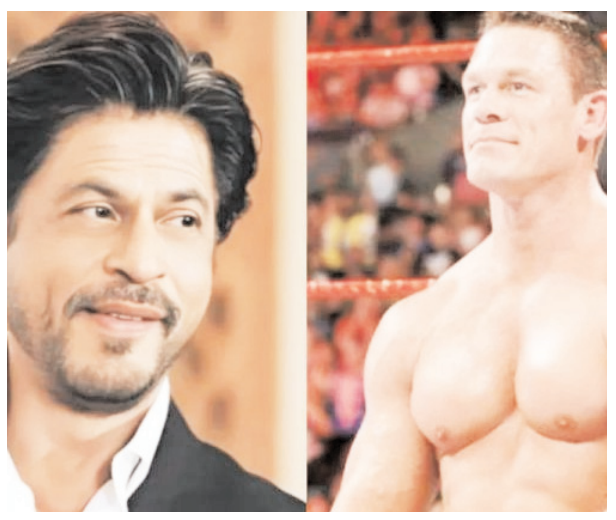

शाहरुख खान का ये गाना दशकों बाद भी लोगों की जुबान पर रहता है. अब इसे जॉन सीना ने गाया है. वीडियो में जॉन सीना जिम में नजर आ रहे हैं. वो पहले भी कई बार शाहरुख खान की तारीफ कर चुके हैं. जॉन सीना एक बहुत बड़े रेसलर हैं. साथ ही वो हॉलीवुड के भी बड़े स्टार हैं. उनकी फैन फॉलोइंग भी कम नहीं है. इससे पहले जॉन सीना ने इंडिया के फ्लैग का फोटो अपने इंस्टाग्राम पर रेड हार्ट इमोजी और फायर इमोजी के साथ शेयर किया था. जॉन सीना का ये वीडियो बॉलीवुड बॉयज ने शेयर किया है. इसमें गुरव सिहरा जॉन सीना को शाहरुख खान का गाना 'भोली सी सूरत' सिखा रहे हैं. एक-एक लाइन करके जॉन सीना गाने को दोहरा रहे हैं. वीडियो के कमेंट में लोग शाहरुख खान और जॉन सीना पर प्यार लुटा रहे हैं. एक यूजर ने लिखा- जॉन सीना भोली सी सूरत गा रहे हैंज अब मैंने सब कुछ देख लिया. वहीं एक दूसरे यूजर ने इसे बहुत अच्छा बताया.

बात अगर शाहरुख खान के वर्कफ्रंट की करें तो साल 2023 उनके लिए शानदार रहा. हालांकि इस साल उनकी किसी फिल्म का कोई ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन कहा जा रहा है कि वो केजीएफ स्टार यश की फिल्म 'टॉक्सिक' में कैमियो कर सकते हैं. हालांकि अभी तक इस पर कोई ऑफिशियल जानकारी सामने नहीं आई है.

पीएम नरेंद्र मोदी को जिनका मिलता था आशीर्वाद, नहीं रहे वे संत आचार्य श्री 108 विद्यासागरजी महाराज

वर्तमान के वर्धमान ने ली समाधि

छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ में जैन समाज के रत्न आचार्य विद्यासागर महाराज का दिगंबर मुनि परंपरा से समाधि पूर्वक मरण हो गया। आचार्य विद्यासागर ने तीन दिन पहले ही समाधि मरण की प्रक्रिया को शुरू कर पूर्ण रूप से अन्न-जल का त्याग कर दिया था और अखंड मौन व्रत ले लिया था। उनका जन्म कर्नाटक के सदलगा गांव में 10 अक्टूबर 1946 को शरद पूर्णिमा के दिन हुआ था। वे आचार्य ज्ञानसागर के शिष्य थे. जब आचार्य ज्ञानसागर ने समाधि ली थी तब उन्होंने अपना आचार्य पद मुनि विद्यासागर को सौंप दिया था। ऐसे में मुनि विद्यासागर महज 26 वर्ष की उम्र में ही 22 नवंबर 1972 में आचार्य हो गए थे। वे वर्तमान के वर्धमान कहे जाने लगे थे।

डोंगरगढ़/इंदौर। *छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ स्थित जैन तीर्थ स्थल चंद्रगिरी में जैन धर्म में दिगंबर मुनि परंपरा के आचार्य और विश्व विख्यात संत आचार्य विद्यासागर जी महाराज ने शनिवार-रविवार की दरमियानी रात करीब 2.30 बजे शरीर त्याग दिया। इससे पहले उन्होंने आचार्य पद का त्याग कर दिया था और तीन दिन का उपवास और मौन धारण कर लिया था।*

उनके समाधि लेने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक जताया । पीएम मोदी ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर लिखा- आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज जी का ब्रह्मलीन होना देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है। लोगों में आध्यात्मिक जागृति के लिए उनके बहुमूल्य प्रयास सदैव स्मरण किए जाएंगे। वे जीवनपर्यंत गरीबी उन्मूलन के साथ-साथ समाज में स्वास्थ्य और शिक्षा को बढ़ावा देने में जुटे रहे।

पीएम मोदी ने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे निरंतर उनका आशीर्वाद मिलता रहा। पिछले वर्ष छत्तीसगढ़ के चंद्रगिरी जैन मंदिर में उनसे हुई भेंट मेरे लिए अविस्मरणीय रहेगी। तब आचार्य जी से मुझे भरपूर स्नेह और आशीष प्राप्त हुआ था। समाज के लिए उनका अप्रतिम योगदान देश की हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा।

संत 108 आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के समाधि पूर्वक देहविलय पर मध्यप्रदेश में आधे दिन का राजकीय शोक रखा गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि आचार्य विद्यासागर जी का समाधि पूर्वक देहविलय जैन समाज के साथ ही राष्ट्र के लिए अपूरणीय क्षति है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आचार्य विद्यासागर जी ने सद्मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी है। उन्होंने कहा कि आचार्य विद्यासागर जी का मध्यप्रदेश के प्रति विशेष स्नेह रहा है। मध्यप्रदेश वासियों को उनका भरपूर आशीर्वाद मिला। उनके सद्कार्य सदैव प्रेरित करते रहेंगे। आचार्य जी का संयमित जीवन और विचार सदैव प्रेरणा देते रहेंगे।

मुनि समयसागरजी को सौंपा आचार्य पद

आचार्य विद्यासागरजी महाराज ने तीन पहले ही अपने आचार्य पद का त्याग किया और अपना आचार्य पद उनके पहले मुनि शिष्य निर्यापक श्रमण मुनि श्री समयसागर को सौंप दिया। बताया जा रहा है कि 6 फरवरी को ही उन्होंने मुनि समयसागर और मुनि योगसागर को एकांत में बुलाकर अपनी जिम्मेदारियां उन्हें सौंप दी थी।

गुरु ज्ञान सागर महाराज ने दिया था आचार्य पद

विद्यासागर महाराज को आचार्य पद की दीक्षा आचार्य श्री ज्ञान सागर महाराज ने 22 नवंबर 1972 को अजमेर राजस्थान के नसीराबाद में दी थी। इसके बाद आचार्य श्री ज्ञान सागर महाराज ने आचार्य श्री के मार्गदर्शन में ही 1 जून 1973 को समाधि ली थी।

505 मुनियों को दी दीक्षा

आचार्य विद्यासागरजी महाराज का जन्म 10 अक्टूबर 1946 में शरद पूर्णिमा के दिन कर्नाटक के बेलगांव जिले के सद्लगा ग्राम में हुआ था। दिगंबर मुनि परंपरा के आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज देश के ऐसे अकेले आचार्य थे, जिन्होंने 505 मुनियों को दीक्षा दी। आचार्य श्री कुन्थु सागर महाराज का नाम दूसरे नंबर पर आता है, उन्होंने अब तक 325 दीक्षा दी हैं।

विद्यासागरजी ने 1980 में दी थी पहली दीक्षा

विद्यासागर जी ने 8 मार्च 1980 को पहली दीक्षा छतरपुर में मुनि श्री समय सागर महाराज को दी। दूसरी दीक्षा सागर जिले में योग सागर और नियम सागर महाराज को दी थी। दीक्षा लेने वालों में आचार्य श्री के गृहस्थ जीवन के भाई मुनि श्री समय सागर और मुनि श्री योग सागर हैं। आचार्य श्री की दो बहनें शांता और सुवर्णा दीदी भी दीक्षा ले चुकी हैं। आचार्य श्री की ओर से पिछले 4 साल से दीक्षा नहीं दी गई। आखिरी बार उत्तरप्रदेश के ललितपुर में 28 नवंबर 2018 को दीक्षांत समारोह हुआ। इसमें 10 को मुनि दीक्षा दी गई थी।

नवंबर में पीएम मोदी ने किए थे दर्शन

नवंबर में छत्तीसगढ़ चुनाव से पहले पीएम मोदी ने आचार्य विद्यासागर महाराज के दर्शन किए थे और उनका आशीर्वाद लिया था। आचार्य विद्यासागर महाराज जनकल्याण के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने गरीबों से लेकर जेल के कैदियों तक के लिए काम किया। आचार्य विद्यासागर महाराज का देश के लिए हमेशा से कहना था कि इंडिया नहीं भारत बोलो और वे हमेशा से हिंदी राष्ट्र और हिंदी भाषा को बढ़ाने में अग्रसर रहे।

10 माह से ज्यादा समय इंदौर में बिताया

इंदौर ऐसा एकमात्र शहर है जहां आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने अपने साधु जीवन का सबसे अधिक वक्त बिताया है। 56 साल के साधु जीवन में उन्होंने 10 महीने से ज्यादा का समय इंदौर में बिताया। 19 साल के लंबे इंतजार के बाद साल 2020 में उनका आगमन मां अहिल्या की नगरी इंदौर में हुआ। इस दौरान इंदौर के भक्तों का सौभाग्य ऐसा जागा कि गुरु का सानिध्य 300 दिन से ज्यादा का मिल गया। दरअसल साल 2020 में जब आचार्य विद्यासागरजी महाराज इंदौर आए तो कोरोना की वजह से लॉकडाउन लगा। इस वजह से इंदौर की जनता को गुरु का यह प्रेम मिल पाया। जैन समाजजन कहते हैं कि गुरु के प्रति अपार स्नेह की वजह से इंदौर को यह सौभाग्य मिला।

फिल्म का पहला शो भी इंदौर में

आचार्य विद्यासागर महाराज के जीवन पर बनी फिल्म अंतर्यात्री महापुरुष-द वाकिंग गॉड का पहला शो भी इंदौर में रखा गया। इसके बाद इसका देशव्यापी प्रदर्शन हुआ। शिरोमणि क्रिएशंस के बैनर तले निर्मित इस फिल्म का पहला शो इंदौर के कस्तूर सिनेमा में लगा। फिल्म का प्रीमियर जयपुर के प्रसिद्ध राजमंदिर सिनेमाघर में हुआ था। इंदौर में फिल्म के तीन दिन के सभी शो हाउसफुल रहे थे।

बुंदेलखंड में छोटे बाबा के नाम से जाने जाते थे

आचार्य विद्यासागर महाराज की माता का नाम श्रीमंची और पिता का नाम मल्लपा था. उनके माता-पिता ने भी उनसे ही दिक्षा लेकर समाधि मरण की प्राप्ति की थी। पूरे बुंदेलखंड में आचार्य विद्यासागर महाराज छोटे बाबा के नाम से जाने जाते हैं क्योंकि उन्होंने मप्र के दमोह जिले में स्थित कुंडलपुर में बड़े बाबा आदिनाथ भगवान की मूर्ति को मंदिर में रखवाया था और कुंडलपुर में अक्षरधाम की तर्ज पर भव्य मंदिर का निर्माण भी करवाया था।

अवतरण दिवस पर मनाते हैं दिवाली

आचार्य विद्यासागरजी महाराज का अवतरण दिवस शरद पूर्णिमा पर होता है। इस दिन को इंदौर में भक्त हर्षोल्लास से मनाते हैं। इस अवसर पर शहरभर में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। नेमीनगर जैन कॉलोनी में इस दिन दीपावली मनाई जाती है। कॉलोनी में आकर्षक दीप और विद्युत सज्जा कर घर के आंगन में रांगोली बनाई जाती है।

आचार्य श्री विद्यासागरजी ने जैनत्व को कहकर नहीं करके दिखाया

***जैन** धर्म के एक महान संत और समाज सुधारक आचार्य श्री विद्यासागर जी का जन्म 10 अक्टूबर 1946 अश्विन शुक्ल पूर्णिमा के दिन कर्नाटक के बेलगांव जिले के चिक्कोडी गांव में पिता मल्लप्पा (मुनि मल्लीसागर) और माता श्रीमंती अष्टगे (आर्यिका समयमति) के घर एक तेजस्वी बालक ने जन्म लिया किसका सांसारिक नामकरण विद्याधर उर्फ पीलू किया गया जो आगे चलकर जैन संत आचार्य विद्यासागर के रूप से जाने गए। परिवार में उनके चार भाई और दो बहने भी थीं। उन्होंने कक्षा नौवीं तक कन्नड़ भाषा में शिक्षा ग्रहण की और बाल्यकाल में आचार्य शांतिसागर के संपर्क में आने पर वे धर्म की ओर आकर्षित हो गए थे और उसी समय आध्यात्मिक मार्ग पर चलने का संकल्प कर लिया और महज 22 वर्ष की आयु में 30 जून 1968 को उन्होंने आचार्य शांतिसागर जी के दल के आचार्य ज्ञानसागर जी से अजमेर में जैन विधि विधान अनुसार पिच्छी कमंडल धारण कर दीक्षा ग्रहण की और समस्त सांसारिक मोहमाया यहां तक कि वस्त्रों का भी त्याग कर जैन मुनि बन गए । उनकी असाधारण विद्वता, गहन आध्यात्मिक अंतर्दृष्टि, तपस्या और अनुशासित जीवन शैली के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को देखते हुए 22 नवंबर 1972 को उन्हें आचार्य पद दिया गया।*

जल की तरह निर्मल ह्रदय के स्वामी संत शिरोमणी आचार्य विद्यासागरजी एक महान तपस्वी, अहिंसा, करुणा, दया के प्रणेता और प्रखर कवि थे, हमेशा प्रसन्न चित्त रहकर मुस्कराते रहना उनकी खास पहचान थी। जो भी उनके संपर्क में आता था वो उनके चुम्बकीय व्यक्तित्व से प्रभावित होकर अपनी ज्ञान पिपासा शांत करने बार बार उनकी ओर खींचा चला आता था, आचार्य श्री ने अपने सभी अनुयायियों और भक्तों के मन में धर्म और अध्यात्म की ज्योत जला दी थी। आचार्य श्री विद्यासागरजी ने जैनत्व को कहकर नहीं करके दिखाया।

कन्नड़ भाषा में शिक्षण ग्रहण करने के बाद भी आचार्य श्री ने जैन परम्परा अनुसार पैदल भारत भ्रमण के दौरान अंग्रेजी, हिन्दी, संस्कृत और बंगला जैसी कई भाषाओं का ज्ञान अर्जित करके उन्होंने उन्हीं विभिन्न भाषाओं में साहित्य रचना का कार्य भी किया हैं। निरंजना शतक, भावना शतक, परिषह जया शतक, सुनीति शतक और श्रमण शतक सहित उनकी अनेकों रचनाओं कार्यों का व्यापक रूप से अध्ययन और सम्मान किया जाता है। उनके द्वारा लिपिबद्ध मूकमाटी महाकाव्य सर्वाधिक चर्चित है जो कई सा संस्थानों के हिंदी पोस्ट ग्रेजुएशन प्रोग्राम में पढ़ाया जाता है।

भगवान महावीर के सिद्धांतों पर चलकर प्राणी मात्र के प्रति करुणा से भरे आचार्य श्री विद्यासागर जी ने पशुधन बचाने, गाय को राष्ट्रीय प्राणी घोषित करने, मांस निर्यात बंद करने आदि गतिविधियों को लेकर अनेक उल्लेखनीय कार्य किए हैं।

उन्होंने शिक्षा और सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी. उनके प्रयासों से स्कूलों, अस्पतालों और सामुदायिक केंद्रों की स्थापना हुई, जिससे अनगिनत व्यक्तियों के जीवन में बदलाव आया और उनका उत्थान हुआ. कई गौशालाएं, स्वाध्याय शालाएं, औषधालय, आदि विद्यासागर महाराज जी की प्रेरणा और आशीर्वाद से स्थापित किए गए है। आचार्यश्री द्वारा पशु मांस निर्यात के विरोध में जनजागरण अभियान भी चलाया गया तथा अमरकंटक में सर्वोदय तीर्थ नाम से एक विकलांग निःशुल्क सहायता भी केंद्र चल रहा है।

आचार्य श्री विद्यासागर महाराज का ना तो कोई बैंक खाता नही था और न ही कोई ट्रस्ट था, वह अपने शरीर पर कोई वस्त्र भी नहीं पहनते थे इसलिए उनके पास कोई जेब भी नही थी। उन्होंने आजीवन चीनी, नमक, चटाई (बिछौना), हरी सब्जी, फल, अंग्रेजी दवाई, दूध, दही, सूखे मेवे, तेल, का त्याग किया था। उनका जीवन यापन सिर्फ सीमित ग्रास और सीमित अंजुली जल, वह भी 24 घण्टे में एक बार लेने से होता था। सभी मौसमों और ऋतुओं में वो सिर्फ तख्ते पर बिना किसी बिछावट और ओढ़ने के किसी साधन के एक करवट में शयन किया करते थे।

अनासक्त महायोगी, वर्तमान के वर्धमान, परमपूज्य आचार्य श्री ने इस ग्रह पर अपना समय पूर्ण हुआ जानकार चेतन अवस्था में आचार्य पद का त्याग करते हुए 3 दिन के उपवास का प्रण लिया और अखंड मौन धारण कर राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ के चंद्रगिरी में 18 फरवरी 2024, रात्रि 02.35 बजे समाधि ली।

इस युग के महानतम संत जिन्होंने जैनत्व को कहकर नहीं करके दिखाया ऐसे विश्ववंदनीय जन जन के। संत आचार्य श्री के प्राणोत्सर्ग का समाचार जान केवल जैन समुदाय ही नहीं बल्कि सारी दुनिया नतमस्तक है।

बालिकाओं ने दिखाया युद्ध कौशल

विभिन्न जिलों से आई 250 बालिकाओं ने लिया भाग

शाजापुर, शहर में खेलो इंडिया के तहत मर्दानी खेल प्रतियोगिता की प्रदेश स्तरीय अस्मिता महिला लीग का आयोजन किया गया। इस खेल प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आई 250 से ज्यादा बालिकाओं ने भाग लिया। गांधी हाल में आयोजित इस एक दिवसीय प्रतियोगिता में बालिकाओं ने लाठी डंडे के माध्यम से अपने युद्ध कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। बालिकाओं को उनके प्रदर्शन के आधार पर पाइंट देकर चयनित किया गया। एस्टेडू अखाड़ा के अध्यक्ष त्रिशलानंदन जैन ने बताया कि भारत में प्राचीन काल से अखाड़ा पद्धति चली आ रही है। इस खेल के माध्यम से उसे पुनर्जीवित कर बालिकाओं और महिलाओं को आत्मरक्षा के गुर सीखने को मिल रहे है और प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार इस खेल को प्रोत्साहन कर इसे नई पहचान दिलाने में जुटे है। यह महिला सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम साबित होगा। प्रदेश स्तरीय खेल प्रतियोगिता के आयोजन के अवसर पर महिला बाल विकास अधिकारी नीलम चौहान, सौदामिनी झाला, समाज सेवी संगीता शर्मा, पत्रकार अजीत पाराशर और खेल प्रशिक्षक आदि मौजूद थे।

कप-कपाने के बाद गायब हो गई सर्दी, तापमान 32 के पार

चुभने लगी धूप, रात के तापमान में भी आया उछाल

शाजापुर, कंपकंपाने वाली सर्द हवाएं गर्म हवाओं में बदल गई है तो दिन में सुहावनी लगने वाली धूप भी अब चुभने लगी है। क्योंकि दिन का तापमान अब 32 डिग्री को पार कर चुका है। हालाकि मोसम विभाग ने सर्दी के मौसम के लौटने की संभावना जताई है।

कुछ दिन पहले ही फरवरी माह में भी सर्दी का पारा बढ़ा हुआ था ओर तापमान लगातार कम हो रहा था। दिनभर सर्द हवाएं लोगों को ठिठुरने पर मजबूर कर रही थी। हवाएं अब भी चल रही है लेकिन इनकी दिशा बदल गई है जिससे लोगों को अब गर्मी का एहसास होने लगा है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता हे कि कि दिन का तापमान 32.5 डिग्री तक पहुंच चुका है तो रात का तापमान भी करीब 16 डिग्री को पार कर चुका है। बदलते मोसम के कारण लोगों की दिनचर्या में भी परिवर्तन होता दिखाई दे रहा है और शहरवासी अब रात में पंखों का इस्तेमाल करने लगे हैं।

फिर लौटकर आएगी सर्दी

मोसम परिवर्तन का सिलसिला अभी भी जारी रहेगा। मोसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि अभी तापमान में बढ़ोत्तरी हो रही है, लेकिन आगामी 20 फरवरी से मौसम एक बार फिर सर्द होगा। इस दौरान सर्द हवाओं की वजह से लोगों को ठिठुरना पड़ेगा। लेकिन कुछ दिनो बाद फिर तापमान में बढ़ोत्तरी होगी और मौसम गर्म होगा।

93 प्रशिक्षणार्थी हुए प्रशिक्षित

राज्य स्तरीय प्रशिक्षकों ने शिक्षकों को आरोग्य दूत का प्रशिक्षण दिया

शाजापुर, उमंग हेल्थ एंड वैलनेस कार्यक्रम के अंतर्गत जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान शाजापुर में 93 प्रशिक्षणार्थीयों को आरोग्य दूत का प्रशिक्षण राज्यस्तरीय प्रशिक्षक सत्यनारायण नायक, मास्टर ट्रेनर ओपी पाटीदार, डॉ.माखनलाल धानुक, गोविंद पाटीदार, सौदानसिंह कलेशरिया, ललिता भदोरिया द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

प्रशिक्षण के तृतीय दिवस जिला शिक्षा अधिकारी विवेक दुबे ने प्रशिक्षणार्थियों को मार्गदर्शन देते हुए कहा कि शिक्षकों को विद्यालय में छात्रों के तन के साथ मन को भी नियंत्रित कर अपनी ऊर्जा को सही दिशा में प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि छात्र जीवन में विभिन्न कौशलों का उपयोग करें इसके लिए शिक्षक उमंग प्रशिक्षण की बारीकियां समझे। इस संदर्भ में एडीपीसी ओपी कारपेंटर ने भी विद्यालय में उमंग सत्रों के क्रियान्वयन के महत्त्वपूर्ण निर्देश दिये। राज्य स्तरीय मॉनिटरिंग के लिए भारतीय ग्रामीण महिला संघ से एकता भी उपस्थित थी। मास्टर ट्रेनर ओमप्रकाश पाटीदार व श्री सत्यनारायण नायक ने किशोर-किशोरियों के प्रजनन तंत्र की जानकारी का प्रस्तुतीकरण पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के द्वारा गया। प्रशिक्षण में स्वास्थ्य विभाग के डीईआईएम हिमांशी काले, रजनीश श्रीवास्तव, रमेश गवली तथा डाइट के डॉ. बालेंदु श्रीवास्तव, बनवारी बैरागी, श्री दीपक शर्मा आदि उपस्थित थे।

उमंग से सीख रहे हैं जीवन कौशल- विद्यालय में अध्ययनरत किशोर अवस्था में बच्चे अनिर्णय की स्थिति में होते हैं। वे उम्र के उस पायदान पर होते हैं। जहां उन्हें सही दिशा मिल जाए तो वे जीवन में उन्नति करते हैं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए आयुष्मान भारत स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस एम्बेसडर (आरोग्यदूत) कार्यक्रम अंतर्गत हाई स्कूल व हायर सेकंडरी स्कूल के शिक्षकों का चार दिवसीय उमंग-जीवन कौशल शिक्षा प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। प्रशिक्षण के बाद शिक्षक अपने विद्यालयों में प्रत्येक मंगलवार इन गतिविधियों को संचालित कर बच्चों में उमंग सत्रों से उत्साह का संचार करेंगे।

प्रशिक्षण के माध्यम से बढ़ेगी जागरुकता- प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे शिक्षकों ने बताया जीवन कौशल शिक्षा प्रशिक्षण के माध्यम से आयुष्मान भारत द्वारा निर्धारित दस जीवन कौशल- स्वजागरुकता, समानुभति, संवाद कौशल, अंतर्व्यक्तिक संबंध, समालोचनात्मक चिंतन, रचनात्मकता, समस्या समाधान, निर्णय लेना, तनाव का सामना, भावनाओं की समझ को बच्चों में जागरूक किया जा सकेगा।

केंद्रीय मंत्री श्री रूपाला से पशुपालन राज्यमंत्री श्री पटेल ने की मुलाकात

भोपाल, केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री श्री पुरुषोत्तम रूपाला से प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल ने नई दिल्ली में मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने केंद्रीय मंत्री को मध्य प्रदेश में विभिन्न विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी की।

जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक 20 फरवरी को

शाजापुर, दिसम्बर 2023 तिमाही के 20 फरवरी 2024 को शाम 4 बजे कलेक्टर कार्यालय सभागृह शाजापुर में जिला स्तरीय सलाहकार समिति (डीएलसीसी) की बैठक का आयोजन किया जायेगा। यह जानकारी अग्रणी जिला प्रबंधक विनोदकुमार कुशवाह द्वारा दी गई।

कोनसी दुकान पर मिलते है सकारात्मक विचार

आज की जनरेशन को नही मिल रहे अच्छे संस्कार - कथा वाचिका बीके प्रिया

भीकनगांव। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के द्वारा श्री रामेश्वरम ज्योतिर्लिंगम शिव दर्शन मेला एवं आओ चले राम राज्य की ओर 5 दिवसीय मेले का आयोजन रखा है जिसमे झांकिया शिवलिंग व महादेव रामेश्वरम की झांकी आकर्षण रही आरती के पश्चात मेले मे आये हुये युवा साथियों को बीके योगेश भावसार बीके धमेन्द्र तिरोले द्वारा रामेश्वर सेतु: निर्माण की झांकी एवं अध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन कराया गया। युवाओ के सम्मान समारोह कार्यक्रम का शुभारंभ पंडाल मे छत्रपति शिवाजी महाराज की आकर्षक रंगोली के समक्ष युवाओं द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में इंदौर से पधारे ब्रह्माकुमार रीतांशु ने युवाओ को सम्बोधित करते हुए कहा की युवा शब्द का उल्टा करे तो वायु बनता है। ऐसे ही एक शशक्त समाज को बनाने मे युवाओं की भूमिका प्राण वायु के समान है । ब्रह्माकुमारी संगीता बहन ने कहा की युवा राजयोग के माध्यम से अपने मन को शशक्त बनाये। आओ चले राम राज्य की और प्रवचन माला के तृतीय दिवस पर कथा वाचिका ब्रह्माकुमारी प्रिया ने छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती की शुभकामनाएं देते हुए युवाओ को सम्बोधित करते हुए कहा की कल पुरा भारत देश शिवाजी की जयंती मना रहा है। अपने युवा काल मे ही त्याग समर्पण की भावना एवं नेतृत्व की अद्भुत क्षमता से छत्रपति शिवाजी ने भारत को महान राष्ट्र बनाने मे अपना जीवन समर्पण किया। युवा राष्ट्र की वो इकाई है जो अपने आचरण से चार युवाओं को प्रेरित कर एक घर एक समाज और सुंदर राष्ट्र का निर्माण कर सकता है । आज का युवा भटक रहा है क्योकि उन्हे शकुनी जैसे लोग राह दिखा रहे है । जब ये युवा सत्य राह को अपना लेता है तो मर्यादा पुरुषोत्तम राम, श्री कृष्णा, वीर शिवाजी, स्वामी विवेकानंद की तरह समाज मे सकारात्मक परिवर्तन ला सकते है। 100 पुत्रों को जन्म देने के बजाय एक पुत्र को ही श्रेष्ठ संस्कार देकर के योग्य युवा बनाया जा सकता है जो कि राष्ट्र निर्माण में अपनी अहम भूमिका निभा सकता है । कार्यक्रम के अंत मे सभी युवा साथियो को स्लोगन कार्ड भेट स्वरूप दिया गया। ब्रह्माकुमारी रंजना बहन ने कार्यक्रम मे पधारे युवा साथियो का आभार माना एवं उनके सुंदर भविष्य के लिए शुभ कामना दी।

सेल्फी लेने के चक्कर में हादसा, 60 फीट नीचे स्कूटी सहित गिरी युवती

दमोह। जबलपुर से कुछ युवक, युवती रविवार को छुट्टी का दिन होने के कारण वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व के पर्यटक क्षेत्र पर घूमने के लिए आए थे। ऊंचे पहाड़ पर सेल्फी लेने के दौरान 21 वर्षीय रिया यादव का पैर फिसला और स्कूटी सहित 60 फीट नीचे गहरी खाई में गिर गई। तभी क्षेत्र भ्रमण करके स्टाफ के साथ लौट रहे सिग्रामपुर चौकी प्रभारी आलोक तिरपुड़े की नजर सड़क किनारे घायल पड़ी युवती पर गई तो उन्होंने तत्काल युवती के साथियों के साथ निजी वाहन से इलाज के लिए जबलपुर भेजा। बता दें सिंग्रामपुर से भैंसाघाट पहाड़ी मार्ग से निदान वॉटरफॉल जाने के लिए जगह-जगह पर मनोरम पहाड़ियों के दृश्य लोगों के लिए सेल्फी लेने के लिए लालायत करते हैं। इस दौरान इन खतरनाक सेल्फी प्वाइंट में जरा सी चूक दुर्घटना का कारण बन जाती है। कुछ ऐसा ही जबलपुर के धमापुर निवासी रिया यादव 21 वर्ष के साथ हुआ, जो सेल्फी लेने के चक्कर में पैर फिसलने से स्कूटी सहित 60 फीट गहरी खाई में जा गिरी।

इलाज के लिए निजी वाहन से जबलपुर पहुंचाया *हादसे से युवती के पैर में फ्रैक्चर हो गया। घटना भैंसाघाट के सिद्ध बाबा के पास अंधी मोड़ पहाड़ी की है। गनीमत रही की खतरनाक पहाड़ी पर घायल पड़ी युवती की मदद को वहां से गुजर रहे चौकी प्रभारी आलोक तिरपुड़े, एएसआई रवि शंकर डिम्हा सहित अन्य लोगों ने देख लिया और उसके साथियों की मदद से इलाज के लिए निजी वाहन से जबलपुर पहुंचाया गया है।*

गिलगित बाल्टिस्तान में बिजली लोडशेडिंग के खिलाफ दूसरे दिन भी चक्का जाम

पेशावर: पाकिस्तान के गिलगित बाल्टिस्तान में बिजली लोड शेडिंग के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे शहर के निवासियों ने शनिवार को लगातार दूसरे दिन चक्का जाम किया। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, जुमे की नमाज के बाद नगराल में शहीद मिल्लत रोड को ब्लॉक कर दिया गया और सड़क को सभी तरह के ट्रैफिक के लिए बंद कर दिया गया प्रदर्शनकारियों ने सरकार से मांग की कि स्पेशल लाइन खत्म करने के सिर्फ बयान आ रहे हैं, इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि रमजान आ रहा है और इस पूरे महीने लोगों को बिजली की जरूरत होती है, सरकार को दिखावा करना बंद करना चाहिए और गिलगित शहर को अंधेरे से बाहर निकालने के लिए तुरंत 24 घंटे डीजल जनरेटर चलाना चाहिए। फिलहाल लोगों को मात्र एक घंटे ही बिजली मिल रही है, जो व्यवसाय के साथ-साथ घरेलू कार्यों के लिए भी पर्याप्त नहीं है। उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारियों से बिजली मुहैया कराने को कहा। उन्होंने कसम खाई, बिजली की आपूर्ति नहीं की गई, और अगर यह प्रक्रिया जारी रही, तो विरोध लंबे समय तक चलेगा, और पूरे गिलगित शहर में विरोध प्रदर्शन होंगे और सरकार इसके लिए जिम्मेदार होगी। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, लंबे समय तक बिजली लोड-शेडिंग के खिलाफ गिलगित-बाल्टिस्तान में गुरुवार को विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए, जिससे क्षेत्र में नियमित जीवन अस्त-व्यस्त हो गया। क्षेत्र के अधिकांश क्षेत्रों में एक दिन में 22 घंटे की कटौती हो रही है। काश्रोट गिलगित क्षेत्र के लोग, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे, लंबे समय तक बिजली कटौती के खिलाफ सड़कों पर उतर आए। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि उन्हें रोजाना कई घंटों तक बिजली कटौती का सामना करना पड़ रहा है, जिससे क्षेत्र में उनका नियमित जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

मोदी ने इंडोनेशिया के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो को दी बधाई, कही ये बात

नेशनल डेस्क = प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इंडोनेशिया के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो को रविवार को बधाई दी और कहा कि वह दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और बढ़ावा देने के लिए उनके साथ काम करने को उत्सुक हैं। विशेष बलों के पूर्व कमांडर सुबियांतो ने राष्ट्रपति पद के लिए पिछले हफ्ते हुए चुनाव में जीत हासिल की है। वह दक्षिण पूर्वी एशियाई देश में जोको विडोडो का स्थान लेंगे। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''इंडोनेशिया के लोगों को सफलतापूर्वक संपन्न हुए राष्ट्रपति चुनाव के लिए बधाई। उन्होंने कहा, भारत और इंडोनेशिया के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए नए राष्ट्रपति के साथ काम करने को उत्सुक हूं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि मोदी ने इंडोनेशिया के लोगों और नवनिर्वाचित राष्ट्रपति सुबियांतो को बधाई दी है।

पुतिन को मिली नई गर्लफ्रेंड , लंदन में पढ़ी बॉर्बी डॉल से जोड़ा जा रहा नाम

इंटरनेशनल डेस्क: रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के रोमांस के किस्से अक्सर सोशल मीडिया की सुर्खियों में रहे हैं और इस बार उनका दोस्ताना संबंध लंदन में पढ़ी-लिखी बॉर्बी डॉल-सी दिखने वाली एकातेरिना कात्या मिजुलिना से जोड़ा जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार रूसी राष्ट्रपति और ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता लयबद्ध जिमनास्ट अलीना काबेवा (40) लंबे समय से साथी हैं। इस बार मीडिया में दावा किया जा रहा है कि पुतिन को एक नया विश्वासपात्र मिल गया है और दोनों 'करीब आ गए हैं।' डेली मेल ने यूक्रेनी मीडिया की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा,'' रूसी राष्ट्रपति को लंदन में पढ़ी-लिखी एक महिला में कथित तौर पर नया प्यार मिला है। यह 'बार्बी रूसी नेता की इंटरनेट पर होने वाली आलोचनाओं ,खासकर यूक्रेन युद्ध से संबंधित, को सेंसर करती हैं। एकातेरिना कात्या मिजुलिना (39) पुतिन (71) समर्थक एवं यूक्रेन विरोधी सीनेटर एलेना मिजुलिना (69) की बेटी हैं। वह रूस की 'सेफ इंटरनेट लीग की प्रमुख हैं। पुतिन जिमनास्ट काबेवा के लंबे समय से साथी हैं, और माना जाता है कि पूर्व एथलीट के साथ उनके दो या तीन बच्चे हैं, जो रूसी राष्ट्रपति के स्वामित्व वाले महलों और आधिकारिक आवासों से लगे इलाके में रहते हैं। रूसी मानवाधिकार प्रचारक ओल्गा रोमानोवा ने यूक्रेन के चैनल 24 को बताया, कात्या मिजुलिना पूरी तरह से पुतिन को पसंद हैं। रोमानोव ने उनकी तुलना पुतिन की पूर्व दोस्त स्वेतलाना क्रिवोनोगिख से की, जो सेंट पीटर्सबर्ग में एक क्लब की मालिक और करोड़पति हैं। वह पुतिन की बेटी(20) लुइज़ा की मां हैं। यूक्रेनी मीडिया के अनुसार, रूसी अंदरूनी सूत्रों का दावा है एकातेरिना मिजुलिना की शक्ल ऐसी है जो विशेष रूप से व्लादिमीर पुतिन को आकर्षित करती है। लंदन विश्वविद्यालय से वर्ष 2004 में स्कूल ऑफ ओरिएंटल एंड अफ्रीकन स्टडीज से स्नातक मिजुलिना ने चीन का दौरा करने वाले आधिकारिक रूसी प्रतिनिधिमंडलों के लिए अनुवादक के रूप में भी काम किया है। मिजुलिना मीडिया और सोशल नेटवर्क के खिलाफ इंटरनेट सेंसरशिप, जुर्माना और प्रतिबंधों की वकालत करती हैं। उन्होंने हाल ही में छात्रों के साथ एक बैठक में एक छात्र से माफी की मांग की, क्योंकि उसने अनिवार्य सैन्य सेवा पर सवाल उठाया था। उन्होंने छात्र को देश के सख्त कानूनों की धमकी भी दी थी।

अफगानिस्तान में लगे भूकंप के मध्यम झटके, कोई हताहत नहीं

इंटरनेशनल डेस्क = अफगानिस्तान के उत्तरी प्रांत बल्ख की राजधानी मजार-ए-शरीफ और आसपास के इलाकों में रविवार को भूकंप के मध्यम झटके महसूस किये गये। भूकंप से किसी के हताहत होने की कोई रिपोट नहीं है। प्रांतीय पुलिस ने भूकंप के बाद जारी एक बयान में कहा, ''स्थानीय समयानुसार अपराह्न 03ः52 बजे मजार-ए-शरीफ शहर में भूकंप के झटके आये, लेकिन अब तक जान-माल के नुकसान की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। अमेरिकी भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, अफगानिस्तान के बल्ख प्रांत में भूकंप के मध्यम झटके महसूस किये गये, जिसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.0 मापी गयी। भूकंप का केंद्र सतह से 10 किमी की गहराई पर था। पिछले वर्ष अक्टूबर में पश्चिमी अफगानिस्तान के हेरात प्रांत और आसपास के इलाकों में 6.3 तीव्रता का भूकंप आया था और उसके बाद कई झटके आए, जिससे हजारों लोग हताहत हुए।

रोहिणी के शाहबाद डेयरी इलाके में लगी भीषण आग ,130 झोपड़ियां जलकर खाक

नेशनल डेस्क= दिल्ली में रोहिणी के शाहबाद डेयरी इलाके में रविवार रात भीषण आग लग गई। रविवार रात करीब 10 बजे शाहबाद डेयरी इलाके से आग लगने की सूचना मिली। बताया जा रहा है कि यह घटना दिल्ली में रोहिणी के सेक्टर 28 में हनुमान मंदिर के पीछे हुई। खबरों के मुताबिक आग में करीब 130 झोपड़ियां जलकर खाक हो गई हैं। मौके पर कुल 15 फायर टेंडर भेजे गए। अभी तक किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है।

आज भी ईडी के सामने पेश नहीं होंगे अरविंद केजरीवाल, समन को बताया गैरकानूनी

नेशनल डेस्क= दिल्ली के कथित शराब घोटाला मामले में आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की आज ईडी के सामने पेशी थी लेकिन आज भी केजरीवाल श्रेष्ठ के सामने पेश नहीं होंगे उन्होंने एक बार फिर से समन को गैरकानूनी बताया। आम आदमी पार्टी (आप) ने सोमवार को कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शराब नीति मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के छठे समन में शामिल नहीं होंगे। आप ने कहा कि ईडी के समन अवैध हैं। पार्टी ने कहा, ईडी को बार-बार समन भेजने के बजाय कोर्ट के फैसले का इंतजार करना चाहिए। अरविंद केजरीवाल को ईडी का छठा समन सीएम केजरीवाल को पहला समन 2 नवंबर 2023 के लिए भेजा गया था, जबकि दूसरा समन 21 दिसंबर 2023 के लिए भेजा गया था. तीसरा समन इसी साल 3 जनवरी के लिए भेजा गया था. चौथा समन 17 जनवरी के लिए और पांचवां समन 2 फरवरी के लिए भेजा गया था. यह छठा समन था। ईडी के समन को लेकर केजरीवाल बार-बार मोदी सरकार पर उन्हें परेशान करने का आरोप लगाते रहे हैं। केजरीवाल और उनकी आम आदमी पार्टी लगातार ईडी के समन को अवैध बता रही है। दिल्ली कोर्ट में अरविंद केजरीवाल की वर्चुअल पेशी केजरीवाल के बार-बार पेश नहीं होने पर ईडी ने भी कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था. कोर्ट के नोटिस के बाद 17 फरवरी को केजरीवाल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश हुए, जिसमें उन्होंने बजट सत्र का हवाला देते हुए फिजिकली पेश होने के लिए कुछ वक्त मांगा था. इसके बाद कोर्ट ने मामले में अगली सुनवाई 16 मार्च तय की थी. दिल्ली शराब नीति मामले के बारे में वह सब कुछ जो आप जानना चाहते हैं सीबीआई ने आरोप लगाया है कि शराब कंपनियों ने दिल्ली की उत्पाद शुल्क नीति को आकार देने में भूमिका निभाई, जिससे उन्हें 12 प्रतिशत का लाभ मिलता। उन्होंने आगे कहा कि एक शराब लॉबी ने लोक सेवकों को रिश्वत दी। ईडी ने कहा कि इन रिश्वतों में मनी लॉन्ड्रिंग हुई थी। बीजेपी ने आरोप लगाया कि अपराध का मुनाफा, इन शराब नीतियों से पैदा हुआ पैसा आम आदमी पार्टी ने इस्तेमाल किया. उन्होंने कहा कि पार्टी ने इसका इस्तेमाल गुजरात में अपने चुनाव अभियान के वित्तपोषण के लिए किया। इससे उसे 12.91 प्रतिशत वोट हासिल करने और राष्ट्रीय पार्टी बनने में मदद मिली। पिछले साल इस मामले में दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसौदिया और आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह को हिरासत में लिया गया था. वे वर्तमान में जेल की सजा काट रहे हैं।

यूएई में हिंदू मंदिर के सामाजिक व सांस्कृतिक निहितार्थ

एजेंसी-संयुक्त अरब अमीरात के रेगिस्तान में हिंदू मंदिर बना है। यह दुनिया के किसी अजूबे, करिश्मे और अभूतपूर्व मिसाल से कम नहीं है। इसके गहरे सामाजिक-सांस्कृतिक निहितार्थ भी हैं, जिन्हें दुनिया पढ़ेगी और समझेगी। अरब के इस्लामी देश अमूमन कट्टरपंथी, धार्मिक तौर पर संकीर्ण और असहिष्णु माने जाते रहे हैं। यह मंदिर उन धारणाओं को खंडित करता है। अबू धाबी शहर के मरुस्थल में बने हिंदू मंदिर में मिस्र, एजटेक, अफ्रीकी, यूरोपीय और चीनी सभ्यताओं के प्रतिचिह्न भी हैं और कहानियां भी हैं। कुरान को भी देखा जा सकता है। जो वॉल ऑफ हॉरमोनी बनाई गई है, वह सर्वधर्म समभाव का दुर्लभ उदाहरण है। वोहरा समुदाय के मुसलमानों ने उसमें योगदान दिया है। हिंदू के अलावा बौद्ध, जैन, ईसाई संप्रदायों की प्रतिमाएं भी हैं। यकीनन यह मंदिर अध्यात्म और आस्थाओं का सामंजस्य है, सह-अस्तित्व का बेजोड़ नमूना है। करीब 27 एकड़ भूखंड के आधे भाग में बनाए गए मंदिर के लिए संयुक्त अरब अमीरात के इस्लामी शासक, राष्ट्रपति शेख मुहम्मद बिन जायद ने जमीन दान में दी और अरब देश में हिंदू स्वामीनारायण मंदिर बनाने की इजाजत भी दी। इससे व्यापक सहिष्णुता और धार्मिक उदारता और क्या हो सकती है? महत्वपूर्ण यह भी है कि हिंदू मंदिर बनाने का न तो कोई विरोध किया गया और न ही कोई दंगा-फसाद भडका। किसी अन्य अरब देश ने भी आपत्ति नहीं की। असल में यही धर्मनिरपेक्षता है। मंदिर के सात शिखर सात महत्वपूर्ण भगवानों को समर्पित हैं। भगवान राम, भगवान शिव, भगवान कृष्ण, भगवान जगन्नाथ, भगवान स्वामीनारायण, तिरुपति बालाजी और भगवान अयप्पा की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। सात शिखर अरब के सात अमीरात के भी प्रतीक हैं। हिंदू मंदिर में गंगा, यमुना, सरस्वती नदियों को प्रतीक-रूप में बनाया गया है। समुद्री जहाजों से पवित्र नदियों के जल अबू धाबी में लाए गए और अब वही जल इन प्रतीकात्मक नदियों में प्रवाहित हो रहा है। मंदिर के आंगन में वाराणसी का घाट भी बनाया गया है।

ऐसे बिम्बात्मक भारत की कल्पना हमने तो कभी नहीं की थी। मंदिर में खासतौर पर 96 घंटियां बनाई गई हैं। घंटियां हमारे मंदिर की सार्थक पहचान होती हैं। मंदिर को देखें, तो लघु हिंदुस्तान प्रतीत होता है। मंदिर परिसर में एक दैवीय आंख भी बनाई गई है, जिसके जरिए क्या देखा जा सकता है, वह अनिर्वचनीय है। करीब 900 करोड़ रुपए की लागत से बने मंदिर में सफेद संगमरमर, राजस्थान का गुलाबी बलुआ पत्थर का ही प्रयोग किया गया है। नागर शैली में बनाए गए मंदिर में कोई लोहा, इस्पात जैसी धातु का इस्तेमाल नहीं किया गया है। मंदिर के 402 स्तंभों पर जो मूर्तियां, पशु-पक्षी, जानवर उकेरे गए हैं, उस नक्काशी का वर्णन एक आलेख में नहीं किया जा सकता। मेजबान देश को समान प्रतिनिधित्व देने के लिए भारतीय पौराणिक कथाओं में हाथी, ऊंट और शेर जैसे महत्वपूर्ण स्थान रखने वाले जानवरों के साथ संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रीय पक्षी बाज को भी स्थान दिया गया है। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि एक अरब, इस्लामी देश में हिंदू मंदिर बनाया गया है और भारत के प्रधानमंत्री मोदी ने उसका उद्घाटन किया है। यह हमारे देश के लिए गरिमापूर्ण सम्मान है। अयोध्या के भव्य राम मंदिर में जिस तरह प्राण-प्रतिष्ठा की गई, उसी तरह मंत्रोच्चार और आरती के साथ अबू धाबी के इस मंदिर में भी प्राण-प्रतिष्ठा की गई। दरअसल यह मंदिर भारत-अमीरात की प्राचीन दोस्ती की मिसाल है। यह अरब देश भारत का तीसरा सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार है। करीब 39 लाख भारतीय यहां बसे हैं और काम कर रहे हैं। अमरीका, सऊदी अरब, नेपाल के बाद संयुक्त अरब अमीरात चौथा देश है, जहां इतनी बड़ी संख्या में भारतीय बसे हैं। आर्थिक और कूटनीतिक संबंधों के अलावा आध्यात्मिक आत्मीयता और सहिष्णुता ज्यादा मायने रखती है।

डॉ. भरत पंड्या में है देश और दुनिया में सेवा करने का जबरजस्त जज्बा

एजेंसी - डॉ. भरत पंड्या रोटरी इंटरनेशनल परिवार में एक ख्यात नाम है। उनमें रोटरी के माध्यम से देश और दुनिया में सेवा करने का जबरजस्त जज्बा है। वे कहते हैंकि जाम्बिया में करीबन 200 रोटरी क्लब और अन्य समाजसेवी संस्था और सरकार के सहयोग से रोटरी फाउंडेशन ने मलेरिया को खत्म करने का संकल्प लिया है, जिसमें अभी तक 50 प्रतिशत सफलता मिली है, जिसमे सभी के सहयोग के साथ मिशन पर करीबन 55 करोड़ की राशि खर्च करने की योजना है। यह मिशन भी पोलियो को खत्म करने की तरह है। इस वर्ष 6 माह में रोटरी फाउंडेशन ने सिर्फ भारत से 55 करोड़ रुपए जुटाए हैं। वहीं मुम्बई की रोटरी डिस्ट्रिक्ट जिसमें वे रोटरी गवर्नर रह चुके हैं, डिस्ट्रिक्ट 3141 ने गत वर्ष करीबन 55 करोड़ की राशि जुटाई है। यह डिस्ट्रिक्ट इंडिया में सेवा कार्यो के लिये शिखर पर जानी जाती है। बहराल रोटरी का वर्ष जुलाई से जून का होता है। जून 24 तक यह राशि गत वर्ष के टारगेट को क्रॉस कर लेंगी ऐसी उम्मीद उन्होंने जताई है। डॉ भरत पंड्या ने प्रतिष्ठित सेठ जीएस मेडिकल कॉलेज, केईएम अस्पताल, मुंबई से स्नातक की उपाधि प्राप्त की और पिछले 32 वर्षों से जनरल और लेप्रोस्कोपिक सर्जन के रूप में अभ्यास कर रहे हैं। डॉ. भरत पंड्या को आरआई निदेशक मंडल द्वारा जुलाई 2022 से जून 2026 तक चार वर्षों के लिए रोटरी फाउंडेशन के ट्रस्टी के रूप में सेवा करने के लिए चुना गया है। उन्होंने 2019-21 के दौरान रोटरी इंटरनेशनल निदेशक के रूप में कार्य किया, और 2020-21 के लिए इसके कोषाध्यक्ष थे।

डॉ. भरत पंड्या कहते हैं कि नया रोटरी वर्ष नए अवसर और नई जिम्मेदारियां लेकर आता है। रोटरी की असली ताकत रोटेरियन हैं। वे अपने क्लबों और समुदायों में ईमानदारी से काम कर रहे हैं। मैं आग्रह करता हूं कि रोटेरियन और रोटरी क्लब सदस्यता वृद्धि पर ध्यान देंगे। रोटरी फाउंडेशन रोटरी की रीढ़ है। टीआरएफ के कार्यक्रमों के माध्यम से हम अपनी दुनिया को बेहतर, उज्जवल और सुंदर बनाते हैं। मैं सभी रोटेरियनों से अनुरोध करता हूं कि वे अपना दिल खोलें और हमारे रोटरी फाउंडेशन में निवेश करें। यह हमारी दुनिया के भविष्य के लिए हमारा निवेश होगा।

गिरफ्तारी और तस्करी की जानकारी देने के नियमों में सीबीआईसी ने किया संशोधन

एजेंसी-केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने सीमा शुल्क अधिकारियों द्वारा गिरफ्तारी, तस्करी और वाणिज्यिक धोखाधड़ी की जानकारी (रिपोर्टिंग) देने से संबंधित दिशानिदेर्शों में संशोधिन किया है। इस कदम का मकसद सिंडिकेट द्वारा धोखाधड़ी के प्रयासों पर लगाम लगाना और जोखिम आधारित लक्ष्य में सुधार करना है। सीबीआईसी के संशोधित दिशानिर्देशों के अनुसार, सीमा शुल्क क्षेत्र के मुख्य आयुक्त/महानिदेशक को किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी के 24 घंटे के भीतर इसकी रिपोर्ट ईमेल के माध्यम से सीबीआईसी को भेजनी होगी। गिरफ्तारी रिपोर्ट में हिरासत में लिए गए व्यक्ति की राष्ट्रीयता और उसके अपराध का ब्योरा देना होगा। इसके अलावा अधिकारियों को जब्त किए गए सामान की मात्रा और उसके मूल्य का विवरण भी उपलब्ध कराना होगा। ऐसे मामलों में जहां सीमा शुल्क अधिकारी द्वारा गिरफ्तारी नहीं की गई है, तस्करी और वाणिज्यिक धोखाधड़ी से संबंधित रिपोर्ट संबंधित क्षेत्र के आयुक्त द्वारा तुरंत सीबीआईसी को भेजी जानी है। यह देखते हुए कि सीमा शुल्क आयुक्तों से उनके अधिकार क्षेत्र के तहत तस्करी और वाणिज्यिक धोखाधड़ी के मामलों के संबंध में अद्यतित रहने की उम्मीद की जाती है। सीबीआईसी ने कहा कि घटना की रिपोर्ट में उड़ान/यात्रा/क्रूज संख्या और सीमा शुल्क घोषणा दस्तावेज का विवरण होना चाहिए। रिपोर्ट में माल की उत्पत्ति के मूल देश और इसमें शामिल शुल्क का भी उल्लेख होना चाहिए। सीबीआईसी की ओर से कहा गया है कि कई मामलों में गिरफ्तारी की रिपोर्ट में जो ब्योरा दिया जाता है, वह पर्याप्त नहीं होता। इसको ध्यान में रखते हुए सीबीआईसी की ओर से यह दिशा निर्देश जारी किए गए हैं

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569